राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17

5 भारत के गेंदबाज रिवर्स स्विंग पाने के लिए गेंद में बदलाव कर रहे सम्पादकीय | बड़े शहरों में सुरक्षा मानकों पर फेल हैं | टेस्ला ने करीब 12,000 साइबर ट्रकों को वापस 5

वर्ष 11 अंक 35 E-mail: dholpur@hotmail.com फरीदाबाद, गुरूवार 27 जून 2024 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

लोगों की उम्मीदों को पूरा करना सदन की जिम्मेदारी : बिरला

ओम बिरला फिर बने लोकसभा अध्यक्ष

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को नवगठित 18वीं लोकसभा से लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। बिरला ने ध्वनि मत के बाद अध्यक्ष पद की शपथ ली, जो दशकों में इस पद के लिए पहला चुनाव था।

गौरतलब है कि बिरला का मुकाबला इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार के सुरेश से था। हालांकि, विपक्ष ने मत विभाजन के लिए दबाव नहीं डाला और बिरला दूसरी बार स्पीकर चुने गए। उन्होंने 17वीं लोकसभा में भी स्पीकर के रूप में कार्य किया था ओम बिरला ने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार बनी है। पिछले दशक में लोगों की अपेक्षाएं, आशाएं और आकांक्षाएं बढ़ी हैं। इसलिए हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम उनकी अपेक्षाओं और आकांक्षाओं प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए सामूहिक प्रयास करें।

बिरला ने कहा, यह 18वीं लोकसभा दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का उत्सव है। अन्य चुनौतियों के बावजूद 64 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने बड़े उत्साह के साथ चुनाव में भाग लिया। मैं सदन की ओर से उनका और देश की जनता का आभार व्यक्त करता हूं। मैं चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संचालित करने और दूरदराज के इलाकों में एक भी वोट डालने को सुनिश्चित करने के लिए किए गए प्रयासों के लिए चुनाव आयोग को धन्यवाद देता हूं।

आपातकाल की निंदा की

सदन में अपने संबोधन में, बिरला ने 1975 में आपातकाल लगाने के कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के फैसले की निंदा की और सदन ने इस दौरान अपनी जान गंवाने वाले लोगों के लिए दो मिनट का मौन भी रखा। बिरला ने कहा, यह सदन 1975 में आपातकाल लगाने के फैसले की कड़ी निंदा करता है। जब नवनिर्वाचित स्पीकर अपना भाषण दे रहे थे, तब भी विपक्षी दल तानाशाही बंद करो के नारे लगाते रहे। इसके बाद लोकसभा को 27 जून तक के लिए स्थगित कर दिया गया। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार और कोटा से सांसद, ओम बिड़ला को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्ताव पेश किए जाने और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा अनुमोदित किए जाने के बाद 18 वीं लोकसभा के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था। प्रस्ताव को सदन ने ध्वनि मत से स्वीकार कर लिया।

आपातकाल की संघर्ष गाथा पाठ्यक्रम का हिस्सा बनेगी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सीएम ने लोकतंत्र सेनानियों के प्रादेशिक सम्मेलन को किया संबोधित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आपातकाल की संघर्ष गाथा पाठ्यक्रम का हिस्सा बनेगी। आपातकाल के कष्टों से वर्तमान पीढ़ी को अवगत कराने के उद्देश्य से तत्कालीन परिस्थितियों, दमन और लोकतंत्र सेनानियों की जीवटता का उल्लेख पाठ्यक्रम में किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लोकतंत्र सेनानियों के प्रादेशिक सम्मेलन को मुख्यमंत्री निवास में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास पधारे लोकतंत्र सेनानियों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर भारत माता, नानाजी देशमुख एवं जयप्रकाश नारायण के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लोकतंत्र सेनानियों का प्रादेशिक सम्मेलन वंदे-मातरम गान के साथ आरंभ हुआ। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री निवास मुख्यमंत्री का निवास नहीं, अपितु लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक भाग है और लोकतंत्र सेनानी लोकतांत्रिक व्यवस्था के सर्वाधिक सम्मानित व्यक्ति हैं। मुख्यमंत्री निवास में स-सम्मान आना उनका अधिकार और सेनानियों का स्वागत व सम्मान करना हमारा कर्तव्य है, लोकतंत्र सेनानी मुख्यमंत्री निवास पधारे, यह हमारा सौभाग्य है।

लोकतंत्र सेनानियों को मिलेगी अनेक सुविधाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों को सर्किट हाऊस और विश्राम गृह में तीन दिन तक रूकने की सुविधा तथा किराये में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। जिन लोकतंत्र सेनानियों को अब तक ताम्रपत्र प्राप्त नहीं हुए हैं, उन्हें ताम्रपत्र प्रदान किये जाएंगे। लोकतंत्र सेनानियों को पास दिखाने पर टोल नाकों पर भी छूट रहेगी। उनके आयुष्मान कार्ड द्वारा इलाज पर हुए व्यय के भुगतान में विलम्ब नहीं होगा। कलेक्टर द्वारा 3 माह में भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। गंभीर स्वास्थ्य समस्या की स्थिति में उपचार के लिए बड़े अस्पताल या अन्य महानगर जाने के लिए उन्हें एयर एम्बुलेंस सुविधा उपलाब्ध कराई जाएगी। प्रदेश में आरंभ एयर टैक्सी सुविधा के किराए में 25 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। लोकतंत्र सेनानियों की राष्ट्रीय सम्मान के साथ अंत्येष्ठी की जाएगी। इसके साथ ही अंत्येष्ठी के समय दी जाने वाली 8 हजार रुपए की राशि को 10 हजार रुपए किया जाएगा। लोकतंत्र सेनानियों के परिवार के सदस्यों को उद्योग धंधे लगाने अथवा अन्य व्यवसायिक गतिविधियों के लिए आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर उनके लिये रोजगार की व्यवस्था की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार बनी सरकार, भारत के लोकतंत्र को सम्पूर्ण विश्व में गौरवान्वित कर रही है। लोकतांत्रिक व्यवस्था को जीवंत बनाए रखने में लोकतंत्र सेनानियों का महत्वपूर्ण योगदान है। तत्कालीन सत्तारूढ़ दल की दमनकारी नीतियों से सभी परिचित हैं। आपातकाल के काले दौर में लोकतंत्र सेनानियों ने संघर्ष कर लोकतंत्र को सच्चे अर्थों में स्थापित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पड़ोसी देशों में जहां लोकतंत्र की हत्या हो गई, वहीं भारत में लोकतंत्र सेनानियों की अनुशासित सेना तथा उनके संघर्ष के परिणाम स्वरूप दोबारा चुनाव हुआ। साथ ही सत्ता का हस्तांतरण भी हुआ, जिससे देश में संवैधानिक और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं निरंतर जारी रहीं। लोकतंत्र सेनानियों द्वारा घर-घर जाकर राष्ट्रवादी विचारों के प्रचार के परिणाम स्वरूप ही यह संभव हुआ। आज दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में अनुसूचित जनजाति की बहन को राष्ट्रपति बनते हुए सम्पूर्ण विश्व ने देखा और सराहा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिले पेट्रोलियम बोर्ड के अध्यक्ष

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आज निवास पर पेट्रोलियम एण्ड नेचुरल गैस रेगुलेटरी बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार जैन ने भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को डॉ जैन ने बोर्ड की गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

राहुल गांधी बने लोकसभा में विपक्ष के नेता

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को राहुल गांधी को विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दी। यह कांग्रेस द्वारा उन्हें इस पद के लिए लोकसभा सचिवालय को नामित करने के अपने फैसले की सूचना देने के एक दिन बाद हुआ।

बुधवार को जारी एक अधिसूचना में, लोकसभा सचिवालय ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता गांधी को 9 जून से आधिकारिक तौर पर लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दी गई है। उत्तर प्रदेश के राय बरेली से कांग्रेस सांसद को संसद अधिनियम, 1977 में विपक्ष के नेताओं के वेतन और भत्ते की धारा 2 के तहत विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दी गई है।

गांधी, जो पहले दिन में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के साथ नवनिर्वाचित बिड़ला को स्पीकर की कुर्सी तक ले जाने में शामिल हुए थे, ने इस भूमिका के लिए अपनी नियुक्ति के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को धन्यवाद दिया।

राहुल गांधी ने कहा, मैं कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी और देश भर के सभी कांग्रेस नेताओं और बब्बर शेर कार्यकर्ताओं को उनके जबरदस्त समर्थन और हार्दिक शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद देता हूं। हम साथ मिलकर संसद में हर भारतीय की आवाज उठाएंगे, हमारे संविधान की रक्षा करेंगे और एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) सरकार को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराएं।

नईदिल्ली। दिल्ली कृषि मंत्रालय में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से विधायक रामनिवास रावत ने सौजन्य भेंट कर अपनी विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के विषय में चर्चा की। साथ ही साथ विजयपुर में होने वाली श्रीमद् भागवत् कथा के लिये निमंत्रण दिया।

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर आज श्योपुर जिले के भ्रमण पर रहेंगे

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर आज 27 जून को अपने एक दिवसीय प्रवास पर श्योपुर जिले में रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर प्रातः 09:30 बजे ग्वालियर से श्योपुर (व्हाया टेंटरा-वीरपुर - सबलगढ़) के लिए प्रस्थान, दोपहर 12:00 बजे विद्युत सब स्टेशन का भूमिपूजन (स्थान- अकोरिया, जिला श्योपुर), सायं 03:30 बजे विद्युत सब स्टेशन का भूमिपूजन (स्थान- मगरदेह, विजयपुर, जिला श्योपुर), सायं 05:00 बजे ग्वालियर के लिए प्रस्थान (व्हाया तेराड़) कर जायेंगे।

नीट पेपर लीक : हजारीबाग के स्कूल में जांच के लिए पहुंची केंद्रीय जांच एजेंसी

हजारीबाग। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई दो आरोपियों से पूछताछ करेगी। इसमें चिंटू कुमार और मुकेश कुमार शामिल हैं। सीबीआई कोर्ट के स्पेशल जज हर्षवर्धन सिंह ने बुधवार सुबह दोनों को 3 दिन की रिमांड पर भेज दिया है। आर्थिक अपराध अन्वेषण इकाई की टीम ने दोनों को 22 जून को नालंदा जिले के बिहार थाना क्षेत्र के मुरौरा गांव से गिरफ्तार किया था। उधर, कोलकाता पुलिस ने 25 जून की देर रात एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

केन्या में नये टैक्स को लेकर भड़की हिंसा

भारत सरकार ने केन्या न जाने के लिये एडवायजरी जारी की

आर.एन.एस.

नैरोबी। भारत सरकार ने पूर्वी अफ्रीका के एक देश में भड़की हिंसा के बाद अपने नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है, जिसमें उन्हें 'अत्यधिक सावधानी' बरतने की सलाह दी गई है. दरअसल, केन्या की राजधानी नैरोबी में प्रस्तावित टैक्स इजाफे के विरोध में सड़कों पर उतरी भीड़ को कंट्रोल करने के लिए पुलिस की तरफ से आंसू गैस और पानी की बौछारें छोड़ने के बाद वहां भारी अराजकता फैल गई है. एमनेस्टी केन्या सहित कई गैर सरकारी संगठनों ने एक संयुक्त बयान में बताया कि केन्या को हिलाकर रख देने वाली घातक कार्रवाई में पांच लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई और 31 घायल हो गए।

पिछले सप्ताह प्रदर्शनकारी काफी हद तक शांतिपूर्ण रहे थे, लेकिन मंगलवार को नैरोबी में झड़पें शुरू हो गईं, भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया, बैरिकेड तोड़ दिए और संसद परिसर में जबरन घुस गए. आंदोलन इस हद तक उग्र हो गया कि परिसर में घुसे हजारों प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन के एक हिस्से में आग लगा दी, जिससे सांसदों को इसे खाली करना पड़ा. जवाबी कार्रवाई में, केन्याई पुलिस ने गोलीबारी की और रबर की गोलियां चलाईं। विरोध प्रदर्शन का यह दौर तब शुरू हुआ जब सांसदों ने नए टैक्स की पेशकश करने वाले वित्त विधेयक पर मतदान किया. इन नए टैक्सों में 'इको-लेवी' भी शामिल है जो सैनिटरी पैड और डायपर जैसी वस्तुओं की कीमत बढ़ाएगी. इस बिल का लक्ष्य भारी कर्ज के भार को कम करने की कोशिश के तहत टैक्सों में अतिरिक्त 2.7 बिलियन की बढ़ोतरी करना है, जिसमें अकेले ब्याज भुगतान में वार्षिक राजस्व का 37 प्रतिशत खर्च होता है. लोगों के आक्रोश के बाद ब्रेड, खाना पकाने के तेल, कार ऑनरशिप और वित्तीय लेनदेन पर पर टैक्स लगाने का प्रस्ताव हटा दिया गया, लेकिन प्रदर्शनकारी अब भी संसद से इस विधेयक को पारित नहीं करने का आह्वान कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में तीन आतंकी ढेर, एनकाउंटर जारी, एक जवान घायल

आर.एन.एस.

डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के गंडोह इलाके में बुधवार (26 जून) को सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया है। सुबह 2-3 आतंकियों के इलाके में छिपे होने की सूचना के बाद पुलिस और सेना ने सर्च ऑपरेशन लॉन्च किया था, जिसके बाद सुबह 9.50 बजे एनकाउंटर शुरू हुआ। इस एनकाउंटर में जम्मू-कश्मीर पुलिस में तैनात स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप का जवान भी घायल हुआ है। आशिक हुसैन नाम के इस जवान को डोडा के सरकारी मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां डॉक्टरों ने बताया है कि उनके दाहिने पैर में गोली लगी है। अधिकारियों ने बताया कि 11 और 12 जून को डोडा में दोहरा आतंकवादी हमला हुआ था। इसके बाद से सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। आज सुबह 2-3 आतंकियों के सिनू पंचायत के गांव में छिपे होने की सूचना मिली थी। इसी दौरान ढोक (मिट्टी से बना घर) से आतंकियों ने टीम पर गोलीबारी की।

इलाके में अब भी सर्च ऑपरेशज जारी है। पूरे इलाके पर ड्रोन और हेलीकॉप्टर के जरिए नजर रखी जा रही है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि राजौरी जिले के चिंगस इलाके के पिंड गांव से मंगलवार शाम चीनी ग्रेनेड बरामद किया गया था।

उपनिषद भारतीय आध्यात्मिक चिन्तन के मूल आधार हैं: स्वामी अवधेशानंद जी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

हरिद्वार। श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने कहा कि- अनादि काल से भारत की धार्मिक मान्यताओं और आध्यात्मिक विचारों ने उसे वृहद सांस्कृतिक स्वरूप प्रदान किया है। राष्ट्रीयता के आध्यात्मिक विचार के साथ आध्यात्मिक आस्था के केन्द्रों के सन्निकट ही कला, संस्कृति, वास्तु, शिल्प एवं आर्थिक विकास के उन्नत केन्द्र संस्थापित हुए। हम भूमि को माता मानते आये हैं। राष्ट्र के समग्र भू-भाग के प्रति मातृत्व की भावना एवं प्रकृति के साथ एकत्व का आध्यात्मिक भाव ही भारत को सशक्त-समर्थ और समृद्ध बनाता है ..! 'संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम् ...'। - (ऋग्वेद) प्राकृतिक नियमों का निर्वहन करते हुए समष्टि के साथ रहें ! महान कार्य सम्मिलित भाव और सामूहिक प्रयत्न से ही पूर्ण होते हैं। एकता, समन्वय और सद्भाव ही श्रेष्ठता और कार्य-सिद्धि के मूल मंत्र हैं। अतः जीवन में समन्वय भाव रहे। उपनिषदों में सर्वत्र समन्वय की भावना है। किसी परमार्थ कार्य के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उसकी विभिन्न क्रियाओं में सांमजस्य व तालमेल स्थापित करना 'समन्वय' कहलाता है। 'तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु ...' उपनिषद का यह मंत्र है। स्वामी जी ने उपनिषदों को ब्रह्मसूत्र की आत्मा कहा। उपनिषद हिन्दू धर्म के महत्त्वपूर्ण श्रुति धर्मग्रन्थ हैं। उपनिषद भारतीय आध्यात्मिक चिन्तन के मूल आधार हैं, भारतीय आध्यात्मिक दर्शन के स्रोत हैं। वे ब्रह्मविद्या हैं। जिज्ञासाओं के ऋषियों द्वारा अन्वेषण हुए उत्तर हैं। वे चिन्तनशील ऋषियों की ज्ञान चर्चाओं का सार हैं। वे कवि-हृदय ऋषियों की काव्यमय आध्यात्मिक रचनाएँ हैं, अज्ञात की खोज के प्रयास हैं, वर्णनातीत परमशक्ति को शब्दों में प्रस्तुत करने का प्रयास हैं और उस निराकार, निर्विकार, असीम, अपार को अन्तरदृष्टि से समझने और परिभाषित करने की अदम्य आकांक्षा के लेखबद्ध विवरण हैं। स्वामी जी ने कहा कि वेद शब्द का अर्थ है- 'ज्ञान'। ज्ञान वह प्रकाश स्रोत है, जिससे मानव के हृदय और बुद्धि पर छाया अंधेरा सदैव के लिए मिट जाता है। उपनिषद का विवेचन करते हुए स्वामी जी ने कहा - 'उप' का अर्थ निकट, 'सद्' का अर्थ बैठना और 'नि' का तात्पर्य निष्ठापूर्वक ! अर्थात् गुरु के सानिध्य में बैठकर ज्ञान की चर्चा करना। आचार्य विनोबाभावे जी कहा करते थे कि परिषद में लोग चारों ओर बैठते हैं और वहाँ ब्रॉडकास्ट होता है। उपनिषद यानी गुरू के निकट सानिध्य में बैठकर जहाँ ज्ञान की चर्चा होती है, वहाँ होता है 'डीपकास्ट'। अर्थात, उपनिषद में हमें गहराई में डुबकी लगाने की कला सिखने को मिलती है।

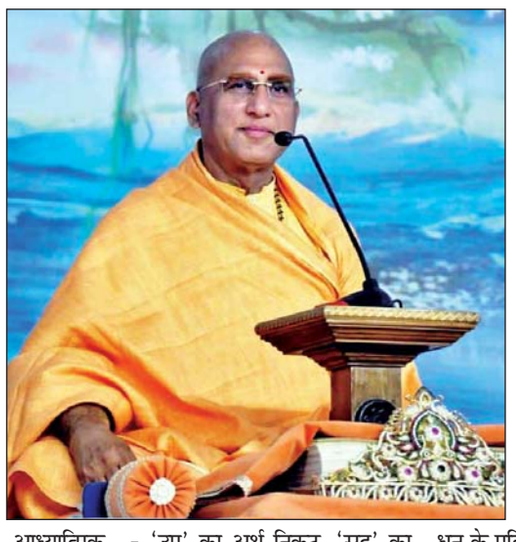

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - 'ईशावास्यं' एक पूर्ण उपनिषद है, जिसमें समग्र जीवन का दर्शन प्रस्तुत किया गया है। 'ईशोपनिषद' छोटा होने के बाद भी इसमें व्यापक अर्थ भरा है। ईशोपनिषद का पहला मंत्र है - 'ईशावास्यमिदं सर्वम् यत् किं च जगत्यां जगत्। तेन त्यक्तेन भुंजीथाः मा गृधः कस्यस्विद धनम् ...'।। अर्थात्, - जगत में जो कुछ भी जीवन है, वह ईश्वर का बसाया हुआ है। इसलिए उसके नाम से त्याग करके, तू (यथाप्राप्त) भोगता जा। किसी के भी धन के प्रति, आसक्ति वासना न रख। हम ईश्वर को मन्दिर, मस्जिद, गिरिजाघर, गुरूद्वारा में बैठाकर उसकी पूजा-अर्चना करते हैं। तीर्थ स्थानों पर घूम-घूम कर ईश्वर को ढूँढ़ते है, परन्तु ईश्वर तो सर्वव्यापी हैं। वह सभी जगह बसा है। एक भी अणु ऐसा नहीं, जहाँ उसका अस्तित्व न हो। सम्पूर्ण सृष्टि में उसकी सत्ता काम कर रही है। कोरोनाकाल ने सबको यह अच्छी तरह समझा दिया है कि हमारे पास जो कुछ भी है, ईश्वर की ही धरोहर है। हमें संरक्षक बनकर ही इस धरोहर को न केवल संरक्षित करना है, बल्कि उसका जनहित में उपयोग भी करना है। ऋषि-मुनि कहते हैं 'यत् किं च' यानी जो कुछ भी है 'जगत्यां जगत' जगत में जीवनवान, वह सब उसी से व्याप्त है। वास्तव में एक मात्र ईश्वर की सत्ता सर्वत्र व्याप्त है, शेष जहाँ कहीं भी सत्ता दिखती है वह सब आभासिक है। आभास को हटाना होगा, तब 'ईशावास्यं इदं सर्वम्' का रहस्य आत्मसात् होगा। उस रहस्य को आत्मसात् करने के लिए ऋषि-मुनियों ने दो व्यवहार सूत्र प्रस्तुत किये हैं - ''तेन त्यक्तेन भुंजीथाः'' एवं ''मा गृधः कस्यस्विद धनम्''। दोनों ही सूत्र सारगर्भित हैं। पहले का अर्थ है - त्याग करके भोग करो। शरीर सेवा का साधना है, साधना का माध्यम है। उस साधन को कार्यक्षम्य रखना है तो उसे भोग करना होगा। किन्तु, ध्यान रहे कि हम जीने के लिए आहार ग्रहण करते हैं, आहार ग्रहण करने के लिए नहीं जीते। जीने के लिए खाने में संयम अत्यावश्यक है। जितनी देहबद्धता कम, उतना आत्म-सान्निध्य अधिक होगा। इस प्रकार त्याग से आत्मा का पोषण होता है, भोग से शरीर का शोषण होता है। अतः जीवन में त्याग और भोग का समन्वय आवश्यक है।

बेटी के जन्म पर फूलों से सजाया घर, आरती उतारकर ढोल नगाड़ों के साथ कराया गृह प्रवेश

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। परेड चौराहे पर एक परिवार में पहली संतान के रूप बिटिया के जन्म लेने पर ऐसा जश्न मनाया गया कि देखने वाले देखते रह गए। इस परिवार ने वाकई में कन्या को गृहलक्ष्मी मान उसका भव्य गृह प्रवेश कराया। इस दौरान लोगों ने इस परिवार के लिए काफी वाहवाही की। जानकारी रहे कि बेटी के जन्म के बाद से ही पूरे परिवार में जश्न का माहौल था।

दरअसल, परेड चौराहे पर कन्या स्कूल के सामने निवास करने वाले दिलीप जैन के बेटे अभिलाष जैन और बहू शिवानी जैन को पहली संतान के रूप में कन्या रत्न की प्राप्ति हुई। बेटी होने का समाचार पाकर अभिलाष के पापा दिलीप जैन ने पहले ही दिन 24 जून को घर व मौहल्ले में जश्न मनाया बुधवार को जब नवजात कन्या और उसकी मां अस्पताल से अपने घर आई तो भव्य तरीके से नवजात कन्या का गृह प्रवेश कराया गया। इससे पहले बच्ची के दादा दिलीप जैन ने एक चमचमाती हुई कार को फूलों से सजाया और उसे लेकर वह अस्पताल पहुँचे, जहाँ उन्होंने अपनी बहू और नवजात कन्या को फूलों से सजी हुई कार में बैठाया और उन्हें अपने घर लेकर आये।

फूलों की बारिश से हुआ स्वागत

दिलीप जैन और उनकी पत्नी श्रीमती

मीना जैन सहित परिजन श्रीमती शकुंतला जैन, हेमन्त जैन, चंचल जैन ने अपनी नातिनि के स्वागत हेतु दरवाजे से लेकर उसके कमरे तक फूलों को बिछा रखा था। नवजात कन्या और उसकी मां ने जैसे ही दरवाजे पर प्रवेश किया तो ढोल-नगाड़े और आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान मंगल गीत भी गाए गए। बाकायदा इस माहौल को यादगार बनाने के लिए सभी नाते रिश्तेदारों को भी बुलाया गया। इससे पहले जैसे ही फूलों से सजी कार दरवाजे पर पहुंची। वैसे ही घर के अन्य महिलाएं सजी हुई थाली लेकर पहुंची और सबसे पहले बच्ची की मां को माला पहनाई। इसके बाद टीका लगाकर बच्ची के मां-पिता और बच्ची पर फूलों की वर्षा की गई। जिसके बाद बच्ची के पैर से चावल से भरे कलश को गिराकर लाल रंग से भरी थाली में पैर रखकर सफेद कपड़े पर पैर के निशान छापे गए और घर में प्रवेश कराया। इस दौरान नवजात कन्या के दादा दिलीप जैन ने कहा कि बेटियां भी बेटों से कम नहीं होती बेटियां भी परिवार का नाम रोशन करती हैं। हम चाहते हैं की बेटियों को समान शिक्षा और अवसर प्रदान किए जाएं। बेटा भाग्य से मिलता है तो बेटी सौभाग्य से मिलती हैं। हम लोग बड़े ही सौभाग्यशाली हैं कि हमारे यहां पहली संतान के रूप में बेटी ने जन्म लिया है हमने परमात्मा से मन्नत मांगी थी और परमात्मा ने हमारी मन्नत पूरी की है।

कल्कि 2898 एडी थीम गीत; भगवान कृष्ण की स्तुति का मथुरा में हुआ विमोचन

फोटो कल्कि

महान कृति कल्कि 2898 एडी रिलीज से पहले ही खूब चर्चा बटोर रही है। इसकी रिलीज से सिर्फ दो दिन पहले, दर्शकों और सिनेप्रेमियों के बीच फिल्म देखने की ललक अपने चरम पर पहुंच गया है।

दर्शकों के उत्साह को बढ़ाते हुए, निर्माताओं ने अब इस फिल्म का एक नया गाना 'थीम ऑफ कल्कि' पेश किया है, जो भगवान कृष्ण की स्तुति है। भावपूर्ण और दिव्य गीत गौतम भारद्वाज द्वारा गाया गया है, संगीत संतोष नारायण का है और गीत कुमार के हैं। यह गीत फिल्म के विषय और सार को पूरी तरह से दर्शाता है, आकर्षक गीत और भावपूर्ण संगीत जो कानों को अमृत की तरह महसूस कराता है, एक दिव्य वातावरण बनाता है।

यह गाना मथुरा की पवित्र भूमि पर लॉन्च किया

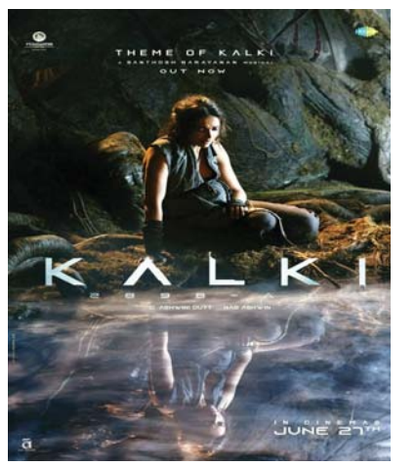

गया था, जो भगवान कृष्ण की जन्मस्थली के रूप में बहुत महत्व रखती है।उस समय यह एक अद्भुत दृश्य था क्योंकि एक सौ डांसरों ने मंदिर की सीढ़ियों पर मधुर गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया, जिससे दर्शकों के लिए यह आनंदमय हो गया। डांसरों के साथ अभिनेत्री शोभना चंद्रकुमार भी शामिल हुईं, जो फिल्म में मरियम की भूमिका निभा रही हैं।

नाग अश्विन द्वारा निर्देशित, कल्कि 2898 एडी में अमिताभ बच्चन, कमल हसन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी सहित कई शानदार कलाकार हैं। वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित यह फिल्म 27 जून, 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

https://youtu.be/yUUxbchBfBA?si=JzqO|WvXaIcLqdJx

मसाई स्कूल का पीएपी मॉडल मध्य प्रदेश के तकनीकी उत्साही लोगों के लिए सफलता का मार्ग साबित हुआ है

कौशल को अवसरों से जोड़ने के लिए समर्पित मंच, मसाई स्कूल ने भारत में 4000 से अधिक छात्रों को उनके सपने साकार करने में मदद की है। परिणाम देने पर केंद्रित एक करियर संस्थान के रूप में, इसने 100 से अधिक बैचेस को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है और वर्तमान नामांकन 6,000 तक बढ़ गया है। इस महीने अपनी पाँचवीं वर्षगाँठ मनाते हुए, यह संगठन परिणाम-संचालित शिक्षा प्रणाली के माध्यम से भारत की मानवीय क्षमता को उजागर करने के लिए प्रतिबद्ध है।

वैभव की यात्रा दृढ़ता की एक कहानी है। मध्य प्रदेश के उज्जैन के पास घाटिया में बड़े होते हुए, उनका प्रारंभिक जीवन चुनौतियों से भरा था, जिसने उनके दृढ़ संकल्पित चरित्र को आकार दिया। शुरुआती चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, कम्प्यूटर साइंस के प्रति वैभव का जुनून अडिग रहा किया। उन्होंने काम और पढ़ाई को संतुलित किया, एक पॉलिटेक्निक डिप्लोमा अर्जित किया, जबकि गणित शिक्षक और ड्राइवर के रूप में काम किया। वैभव मसाई के अनूठे पे-आफ्टर-प्लेसमेंट मॉडल के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिसने उन्हें कम्प्यूटर साइंसमें अपने सपनों का करियर बनाने के लिए वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान की। वैभव मसाई के ग्लाइड कार्यक्रम को अपने काम और पारिवारिक प्रतिबद्धताओं का प्रबंधन करने में मदद करने का श्रेय देते हैं। आज, वे अपना क्लब में सफलता प्राप्त कर रहे हैं और अपने कौशल और समर्पण के साथ एक महत्वपूर्ण प्रभाव डालने का लक्ष्य रखते हैं।

मध्य प्रदेश के गोहद से ताल्लुक रखने वाले अमन की भी कुछ ऐसी ही कहानी है। अमन की जन्मजात गणितीय क्षमताओं को उनके पिता ने पोषित किया,

जो आईएफएफसीओ में काम करते समय गणित को बहुत महत्व देते थे। शैक्षणिक कठिनाइयों और व्यक्तिगत त्रासदियों का सामना करने के बावजूद, जैसे कि कोविड-19 महामारी के दौरान अपने माता-पिता को खोना, कोडिंग के लिए अमन का उत्साह अटूट रहा। आर्थिक तंगी के कारण, उन्होंने बीसीए की डिग्री लेना निर्धारित किया, लेकिन कार्यक्रम की सैद्धांतिक प्रकृति ने उन्हें असंतुष्ट कर दिया। हालाँकि, मसाई द्वारा पेश किया गया व्यावहारिक और नौकरी-उन्मुख दृष्टिकोण उनके लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ।

अमन के अनुसार, मसाई का व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम एक गेम-चेंजर था। केवल सिद्धांत पर ध्यान केंद्रित करने के बजाए, मैंने जावा जैसे व्यावहारिक कौशल हासिल किए और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग विकसित किए। इसने मुझे वास्तव में प्रौद्योगिकी उद्योग के लिए तैयार किया।

हालाँकि, औपचारिक डिग्री की अनुपस्थिति ने शुरुआत में चुनौतियाँ पेश कीं, लेकिन मसाई के साक्षात्कार प्लेटफॉर्म ने उन्हें होस्टबुक्स में एक पद हासिल करने में मदद की। वर्तमान में, अमन होस्टबुक में एसडीई1 के रूप में अपनी भूमिका निभा रहे हैं, लगातार अपने कौशल को निखार रहे हैं और टीम के लिए एक मूल्यवान संपत्ति साबित हो रहे हैं। अंत म भोपाल के अंशुमान की कहानी शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति को उजागर करती है। अपने पिता के निधन के बाद, उनके परिवार को वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। मसाई ने उन्हें कम वेतन वाली कॉल सेंटर नौकरियों से बाहर निकलने का अवसर दिया। अंशुमान ने मसाई में उत्कृष्टता प्राप्त की, एसडीई-1 के रूप में काम कर रहे हैं। इसके अलावा, कठोर प्रशिक्षण और मूल्यवान मार्गदर्शन के साथ, मसाई स्कूल

सफलता की कहानी

तालाब के गहरीकरण होने से ग्राम पंचायत ऐसाह के ग्रामीण हुये खुश

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। प्रदेश सरकार द्वारा ''जल गंगा सर्वधन'' अभियान 5 जून से 16 जून, 2024 तक चलाया गया था। अभियान के तहत ग्राम पंचायत ऐसाह में भी तालाब का गहरीकरण किया। तालाव के गहरीकरण होने से ग्रामीणजनों के चहरे पर खुशियों की लहर दौड़ गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि अभी तक तालाब की गहराई न होने से तालाब का पानी व्यर्थ निकल जाता था। किन्तु ''जल गंगा संवर्धन'' के दौरान हमारे गांव के तालाव की गहराई होने से इसमें पर्याप्त मात्रा में पानी रूक सकेगा। जिससे भू जल स्तर बढ़ेगा और पशु-पक्षी एवं किसानों के लिये सिंचित करने के लिये पानी भी उपलब्ध होगा। लगभग 10 हेक्टेयर भूमि भी इस तालाव के पानी से सिंचित होने का अनुमान है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले मानसून पर आधारित खेती होती थी। किन्तु अब तालाब के गहरीकरण होने से फसलों में वृद्धि होगी और किसानों की आय दोगुनी हो जायेगी। जिससे किसानों सामाजिक एवं आर्थिक स्तर में सुधार होगा।

सफलता की कहानी

पीएम जन-मन कैम्प में श्रीमती सलोनी को मिला आधार कार्ड

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। पहाडगढ़ विकासखण्ड के ग्राम धौंधा निवासी श्रीमती सलोनी पत्नि अर्जुन आधार कार्ड पाकर गदगद हो रही है।

विदित है कि प्रभारी कलेक्टर डॉ. इच्छित गढ़पाले ने विगत टीएल बैठक में पहाड़गढ़ मुख्यालय पर 26 जून को पीएम जन-मन योजना के तहत कैम्प लगाने के निर्देश दिये थे। निर्देशों के पालन में जनपद सीईओ पहाड़गढ़ के माध्यम से पहाडगढ़ मुख्यालय पर बुधवार को पीएम जन-मन योजना का कैम्प लगाया गया। ग्राम पंचायत धौंधा की श्रीमती सलोनी पत्नि अर्जुन को शासन के खर्चे पर लाकर आधार कार्ड बनवाया गया। उस समय श्रीमती सलोनी की खुशी अपार थी। श्रीमती सलोनी बताती है कि आधार कार्ड के लिये मैंने काफी समय से चक्कर लगाये थे, वह सपना मेरा आज पूर्ण हुआ।

आधार ई-केवायसी के पश्चात ही मिलेगा योजना का लाभ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। शासन द्वारा समस्त विभागों को राज्य प्रायोजित डीबीटी योजनाओं में हितग्राहियों की पहचान के लिये मुख्य रूप से आधार का उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। मंडल द्वारा संचालित समस्त योजनाओं में पारदर्शिता हेतु निर्माण श्रमिक पंजीयन तथा योजनाओं के आवेदन के समय ई-केवायसी तथा योजना अंतर्गत हितलाभ वितरण आधार पर आधारित भुगतान प्रक्रिया के माध्यम से किए जाने की व्यवस्था प्रारंभ कर दी गई है।

पंजीकृत श्रमिक, हितग्राही की आधार ई-केवायसी कराए जाने के पश्चात ही किसी भी योजना का लाभ प्राप्त किया जा सकेगा। पंजीकृत श्रमिक, हितग्राही के बैंक खाते का आधार से लिंक होना अनिवार्य है। हितग्राही को योजना अंतर्गत सहायता राशि का भुगतान सक्षम अधिकारी द्वारा ईपीओ जारी कर डिजीटल साईन के पश्चात हितग्राही के आधार लिंक बैंक खाते में ही प्राप्त होगा।

सोनी सब के 'बादल पे पांव है' में, बानी की सगाई उसके परिवार के लिए खुशी और वित्तीय चिंताएं लेकर आती है

सोनी सब का 'बादल पे पांव है' एक मेहनती पंजाबी लड़की बानी की कहानी बताता है, जिसका किरदार अमनदीप सिद्धू ने निभाया है। बानी महत्वाकांक्षी और प्रेरित है, न केवल खुद के लिए बल्कि अपने परिवार के पास मौजूद सीमित संसाधनों के बावजूद उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए भी। हालिया एपिसोड्स में, बानी अपने एक वेडिंग मैनेजमेंट असाइनमेंट में एक दुल्हन को दूल्हे के दुर्व्यवहार से बचाती है। जब दुल्हन के पिता ने शादी कैंसल कर दी, तो दूल्हे के परिवार ने बानी पर एक बुजुर्ग महिला को धक्का देने का झूठा आरोप लगाकर बदला लिया, जिस कारण से बानी को अन्यायपूर्ण तरीके से जेल में डाल दिया गया।

आगामी एपिसोड्स में, बानी के ज़मानत पर रिहा होने के बाद, उसके पिता चाहते हैं कि खबर फैलने से पहले वह जल्दी से शादी कर ले। इस बीच, एक मैचमेकर बानी के घर रजत (आकाश आहूजा) की शादी का प्रस्ताव लाता है। यह मानते हुए कि रजत एक अमीर व्यापारी है, बानी को चिंता होने लगती

है कि उसका परिवार शादी का खर्च कैसे उठा पाएगा। गलतफहमियों का यह भूचाल, जिसमें बानी को रजत की वित्तीय स्थिति को लेकर पूरी तरह से गलतफहमी हो जाती है, दर्शकों को उत्सुक बनाए रखने का वादा करता है।

बानी अरोड़ा की भूमिका निभाने वाले अमनदीप सिद्धू ने कहा, 'आगामी कहानी गलतफहमियों और उथलपुथल से भरी होगी। बानी ने धारणा बना ली है और मानती है कि रजत एक अमीर व्यवसायी है और उसकी असल वित्तीय स्थिति के बारे में पूरी तरह से अनजान है। इस गलतफहमी के बावजूद, रजत ने एक शादी समारोह में दुर्व्यवहार करने वाले दूल्हे से बानी की रक्षा करके पहले ही उसका दिल जीत लिया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि बानी का सफर कैसे आगे बढ़ता है, और कैसे उसे रजत के असली स्वभाव का पता चलेगा। मैं दर्शकों को यह दिखाने का इंतज़ार नहीं कर सकती कि यह रिश्ता कैसे आगे बढ़ेगा।'

'बदल पे पांव है' देखते रहें, हर सोमवार से शनिवार शाम 7:30 बजे, केवल सोनी सब पर

शार्क टैंक इंडिया ने अपने चौथे सीजन के लिये रजिस्ट्रेशन की घोषणा की, इस बार का कैम्पेन है 'अपने ड्रीम आइडिया के पीछे भागेगा इंडिया'

भोपाल। शार्क टैंक इंडिया के पहले तीन सीजन की शानदार सफलता के बाद, सोनी लिव इसके चौथे सीजन के जबर्दस्त लॉन्च की तैयारी कर रहा है। इस बार का कैम्पेन है 'सिर्फ ड्रीम जॉब नहीं, अपने ड्रीम आइडिया के पीछे भागेगा इंडिया'। इसके पीछे एक बड़ी सोच है, जो सिर्फ स्टार्टअप्स नहीं, बल्कि ऐसे उद्यमियों की खोज के लिये है, जिनके पास अपने सपनों का पीछा करने की क्षमता और जुनून हो। इस कैम्पेन की सोच समावेशी है और उन लोगों को बुलाया जा रहा है, जो अपने अभिनव आइडिया को साकार करने की लगन रखते हैं।

यह सीजन भी देशभर में नवाचार और उद्यमिता के उत्साह को जगाएगा। आकांक्षी उद्यमी इस मौके का फायदा उठाने और टैंक में कदम रखने के लिये सोनी लिव ऐप के जरिये रजिस्टर हो सकते हैं।

लिंकः https://youtu.be/LoMeleXGvmk

https://shorturl.at/Fh07m पर अभी शार्क टैंक इंडिया सीजन 4 के लिये रजिस्टर करें।

पंजीकृत श्रमिकों के लिये 02 नई योजनाऐं प्रारंभ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल द्वारा पंजीकृत श्रमिकों के लिये 02 नई योजनाऐं प्रारंभ की गई है। पहली भवन एवं अन्य संनिर्माण दिव्यांग सहायता अनुदान योजना एवं दूसरी भवन एवं अन्य संनिर्माण ई-स्कूटर हेतु अनुदान योजना। पंजीकृत श्रमिकों को ई-स्कूटर की खरीदी के लिये क्रय मूल्य का 50 प्रतिशत जो कि अधिकतम 40 हजार रूपये होगा, की सहायता दी जायेगी, जबकि दिव्यांगजन श्रमिकों एवं उनके आश्रित परिवार के सदस्यो की दिव्यांगता की स्थिति में मोटर चलित त्रिपहिया साईकल एवं अन्य सभी दिव्यांग उपकरण क्रय करने पर 100 प्रतिशत राशि जो कि अधिकतम 35 हजार रूपये होगी, प्रदान की जायेगी। इसके लिये श्रम विभाग द्वारा 14 जून 2024 को राजपत्र में प्रकाशन किया गया है।

योजना की शर्तों के अनुसार दिव्यांग श्रमिक के पारा 40 प्रतिशत दिव्यांगता का यूडीआईडी स्थाई कार्ड होना चाहिये, जो कि 01 अप्रैल 2023 या इसके पश्चात् बना हो। मोटर चलित साईकिल एवं अन्य दिव्यांग उपकरण आर्टिफिशियल लीम्ब्रा मेनुफेक्चरिंग कारपोरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा निर्मित होने चाहिये। पंजीकृत श्रमिक एवं उसके परिवार के एक सदस्य को सिर्फ एक बार इस योजना का लाभ मिलेगा। कर्मकार कल्याण मण्डल के पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन करने पर इस योजना का लाभ 30 दिन के अंदर मिलेगा। ई-स्कूटर के लिये निर्माण श्रमिक का पंजीयन 05 साल पुराना होना अनिवार्य होगा। ई-स्कूटर के आरटीओ में रजिस्ट्रेशन का खर्च आवेदक श्रमिक को ही उठाना होगा। क्रय करने के बाद कर्मकार मंडल के पोर्टल पर अनुदान हेतु आवेदन करना होगा। जिसमें क्रय बिल, रजिस्ट्रेशन कार्ड, ड्राईविंग लायसेंस अपलोड करना होगा। 10 दिन के अंदर डीबीटी के तहत अनुदान राशि आवेदक के बैंक खाते में भेजी जायेगी। एक वित्त वर्ष में एक हजार श्रमिकों को पहले आयो, पहले पाओ के आधार पर योजना का लाभ दिया जायेगा तथा इसमें 60 ई-स्कूटर दिव्यांगजनों के लिये आरक्षित रहेंगे। शेष आवेदको को अगले वित्त वर्ष में योजना का लाभ दिया जायेगा। उक्त दोनो योजनाओं में क्रय के बाद गोटर चलित साईकिल एवं ई-स्कूटर 03 वर्ष तक बेची नही जा सकेगी तथा उस पर अनिवार्य रूप से लिखना होगा कि कर्मकार कल्याण मण्डल के अनुदान से क्रय किया गया है। उक्त योजनाओं के लिये पदाभिहीत अधिकारी सहायक श्रमायुक्त, श्रम पदाधिकारी, सहायक श्रम पदाधिकारी को नियुक्त किया गया है। योजना के लिये आवेदन जिला श्रम कार्यालय में किया जाएगा।

वर्षा ऋतु में डेंगू की बीमारी से बचाव हेतु जानकारी

मुरैना। मानसून सीजन में बीमारियों के फैलने के ज्यादा अवसर होते हैं। जिसके प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द; त्वचा पर चेचक जैसे लाल चकत्ते तथा मांसपेशियों हड्डियों एवं आंख के पीछे दर्द शामिल है। ऐसे लक्षण होने पर तुरंत डॉक्टर व स्वास्थ्यकर्मी से संपर्क करना चाहिए। डेंगू एडीज मच्छर के काटने से फैलता है, यह मच्छर काले रंग के साथ शरीर पर सफेद धारी लिए होने से आसानी से पहचाना जा सकता है। यह मच्छर दिन के समय काटता है, जब एक स्वस्थ व्यक्ति को संक्रमित एडीज मच्छर काटता है तो डेंगू होने की संभावना रहती है। एडीज मच्छर साफव रुके हुए पानी में अंडे देता है। कहीं पर भी पानी जमा न होने दें, साफपानी को ढक्कर रखें, कूलर, टंकी, होदी, घर के अन्दर रखे गमलों के पानी को हफ्ते में जरूर बदलें। घरों की छत पर रखे अनुपयोगी वस्तुएं जैसे डब्बे, फूलदान, टायर, बर्तन आदि की सफाई करें, उन्हें इस प्रकार रखें कि इनमें पानी जमा न होने पाये, पानी की टंकियों के ढक्कन लगायें। अपने घरों में मच्छर निरोधक पौधे जैसे- लेमनग्रास, लहसुन, लेवेंडर, गेंदा, तुलसी, सिट्रोनेला आदि लगावें। आवश्यक है कि हम सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, घरों में मच्छर निरोधक जालियां, मच्छर निरोधी क्रीम, कॉइल तथा रेपेलेंट का उपयोग करें।

अब किसान खुद कर सकेंगे अपनी फसल की गिरदावरी

मुरैना। 'मेरी गिरदावरी-मेरा अधिकार' में अब किसान निश्चिंत होकर अपनी फसल की जानकारी किसान ऐप के माध्यम से दर्ज कर सकेंगे। इस जानकारी का उपयोग फसल हानि, न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना, भावांतर योजना, किसान क्रेडिट कार्ड और कृषि ऋण में किया जायेगा। किसान की इस जानकारी का आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं पटवारी से सत्यापन होगा। मेरी गिरदावरी-मेरा अधिकार में किसान को यह सुविधा उपलब्ध करवाई गई है कि वे अपने खेत से ही स्वयं फसल की जानकारी एमपी किसान एप पर दर्ज कर अपने आप को रजिस्टर सकते हैं। इस एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। किसान एप पर लॉगिन कर फसल स्व-घोषणा, दावा-आपत्ति विकल्प पर क्लिक कर अपने खेत को जोड़ सकते हैं। खाता जोड़ने के लिये प्लस ऑप्शन पर क्लिक कर जिला, तहसील, ग्राम, खसरा आदि का चयन कर एक या अधिक खातों को जोड़ा जा सकता है। खाता जोड़ने के बाद खाते के समस्त खसरा की जानकारी एप में उपलब्ध होगी। उपलब्ध खसरा की जानकारी में से किसी भी खसरे पर क्लिक करने पर एआई के माध्यम से जानकारी उपलब्ध होगी। किसान के सहमत होने पर एक क्लिक से फसल की जानकारी को दर्ज किया जा सकेगा। संभावित फसल की जानकारी से असहमत होने पर खेत में बोयी गई फसल की जानकारी खेत में उपस्थित होकर लाइव फोटो के साथ दर्ज की जा सकती है।

दो घंटे में 43 मिलीमीटर हो गई बारिश

- सीजनल बारिश का आंकडा पहुंचा 102 मिलीमीटर से ऊपर, सामान्य से 22 मिलीमीटर अधिक

ग्वालियर। बुधवार को दोपहर साढे तीन बजे के बाद लगभग दो घंटे ज्यादा समय तक जमकर हुई बारिश ने बीते वर्ष कई सालों का भी रिकार्ड तोड दिया। जून में पहली बार इतनी जबरदस्त बारिश हुई है। मौसम विभाग ने बुधवार को शाम साढे पांच बजे तक 43.2 मिलीमीटर बारिश होना बताया है। यह इस साल की सबसे अधिक बारिश है।बुधवार की 43.2 मिलीमीटर बारिश सहित सीजनल बारिश का आंकडा 102.1 मिलीमीटर पर पहुंच गया है। यह बीते साल से भी अधिक है। यहां बता दें कि ग्वालियर जिले में 30 जून तक बारिश का आंकडा 79.1 मिलीमीटर है। और इस साल अब तक 102 मिलीमीटर से ऊपर बारिश का आंकडा पहुंच गया है। इसके साथ ही जून माह के अभी चार दिन और शेष हैं।

ग्वालियर में गरज चमक के साथ हुई बारिश ने शहर के ड्रेनेज सिस्टम की भी पोल खोल दी। ऐसा कोई कालोनी, वार्ड या बाजार अछूता नहीं रहा जहां घुटनों के ऊपर पानी नहीं भरा हो। और तो और शहर की निचली बस्तियों में भरे पानी को निकालने वाले दमकल विभाग में भी पानी भर गया। घंटों तक निगम के दमकल विभाग कार्यालय के बाहर भी पानी भरा रहा। लोगों को आने जाने में भारी परेशानी का सामना करना पडा। दो पहिया वाहन चालक भी कई जगह फंस गये। ऐसे में राहगीरों की हालत बडी दयनीय दिखाई दी। कई वाहनों में पानी भर जाने से बंद हो गए तो लोग अपने वाहन धकेलते हुये अपने घर या मैकेनिक के यहां ले जाते देखे गये।हालांकि बारिश हो जाने के बाद में मौसम सुहाना हो गया गया था। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों का दावा है कि अगले 3 दिन मौसम बदला रहेगा। पूरे मध्यप्रदेश में स्ट्रोंग सिस्टम एक्टिव है। मानसून ने लगभग पूरे प्रदेश को कवर कर लिया है। हालांकि ग्वालियर में मानसून आने की विधिवत घोषणा नहीं की है। क्योंकि मुरैना, श्योपुर, भिंड, दतिया व शिवपुरी आदि जिलों में बारिश के साथ साथ और भी कई पैरामीटर के हिसाब से जांच कर मानसून के आने की घोषणा की जायेगी।

दमकल विभाग के कार्यालय में भर गया पानी

शहर के ड्रेनेज सिस्टम व पानी निकासी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बुधवार की शाम को हुई रिकार्ड तोड बारिश ने शहर की यातायात व्यवस्था ही अवरूद्ध नहीं की, बल्कि व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। स्टेडियम रोड बाल भवन के सामने दमकल विभाग के कार्यालय में पानी भर गया। बाहर सडक पर भी घुटनों से ऊपर पानी भरा रहा। इसी तरह तरूण पुष्कर के बाहर भी पानी भरा था। इसी रोड पर पीडब्ल्यूडी के पुराने क्वार्टरस व बंगलें के बीच घुटनों तक पानी पहुंच गया।बारिश होने के दो घंटे बाद भी कई प्रमुख सडकों पर पानी भरा हुआ देखा गया। जिसके चलते आने जाने वाले लोग परेशान होते रहे। कई राहगीर निगम को कोसते नजर आए। आला अफसर व इंजीनियर घरों के बाहर निकलकर शहर की दुर्दशा देखें और फिर जमीनी कार्रवाई करें।

37 आपराधिक तत्वों के खिलाफ कलेक्टर ने की कार्रवाई

- 8 आदतन अपराधी जिलाबदर एवं 10 बाउण्डओवर

ग्वालियर । जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिये आपराधिक तत्वों के खिलाफ जिला प्रशासन व पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की गई है। इस कड़ी में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा आपराधिक प्रवृत्ति के 37 लोगों के खिलाफ राज्य सुरक्षा अधिनियम तथा अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई है।

जिला दण्डाधिकारी श्रीमती चौहान ने 8 आदतन अपराधियों को मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम की धाराओं के तहत जिला बदर करने के अलग-अलग आदेश जारी किए हैं। साथ ही 19 लोगों को संबंधित पुलिस थाने में हाजिरी देने के आदेश दिये गए हैं।

इसके अलावा आपराधिक प्रवृत्ति के 10 अन्य व्यक्तियों को भी बाउण्ड ओवर किया गया है। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर से प्राप्त प्रतिवेदनों के आधार पर लोक शांति व जन सुरक्षा को ध्यान में रखकर जिला दण्डाधिकारी श्रीमती चौहान ने यह आदेश जारी किए हैं।

इन आदतन अपराधियों को किया जिलाबदर

जिला दण्डाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा आदतन अपराधी भूपेन्द्र उर्फकान्हा पुत्र हीरालाल माहौर निवासी कुम्हारों का मोहल्ला कमल सिंह का बाग शिंदे की छावनी थाना इंदरगंज, शाहिद उर्फगुंडा पुत्र रवि खान वार्ड-4 भितरवार, बादल जाट पुत्र स्व. उदयभान सिंह जाट निवासी लक्ष्मी कॉलोनी डबरा, लालो उर्फजितेन्द्र पुत्र रामबरन गुर्जर निवासी ग्राम जतरथी थाना भितरवार, सत्यभान उर्फकरूआ गुर्जर पुत्र रविन्द्र सिंह गुर्जर निवासी ग्राम पारसेन थाना बिजौली जिला ग्वालियर, सतीश यादव पुत्र विजय यादव निवासी बड़ागाँव मुरार जिला ग्वालियर, आमिर खान पुत्र शमशाद खान निवासी इन्द्रा कॉलोनी कोटेश्वर रोड़ बहोड़ापुर एवं यशपाल परिहार पुत्र रामस्वरूप मिर्धा निवासी जती की लाईन हजीरा को 3 - 3 माह की अवधि के लिये जिला बदर करने के आदेश जारी किए गए हैं।

जिला बदर किये गये अपराधी को जिले से बाहर जाने के बाद हर माह अपने निवास स्थान की सूचना रजिस्टर्ड डाक से संबंधित पुलिस थाने को अनिवार्य रूप से देनी होगी। इसी तरह सदाचार बरतने के आदेश जिन अपराधियों को दिए गए हैं उन्हें निर्धारित तारीख को संबंधित पुलिस थाने में अपनी हाजिरी देना होगी।

रिटायर्ड फौजी के बेटे ने खुद को गोली मारी, मौत

ग्वालियर। 17 साल के छात्र ने पिता की 32 बोर की लाइसेंसी पिस्टल से बीती रात खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। उसने पिस्टल कनपटी पर सटाकर गोली चलाई। गोली सिर के आर-पार हो गई। जिस वक्त छात्र ने खुद को गोली मारी थी उस वक्त वह घर में अकेला था। छात्र का शव परिजनों को बेडरूम में फर्श पर पड़ा मिला। जिससे घर में चीख-पुकार मच गई। मामला महाराजपुरा इलाके में गुरुकृपा नगर का है।

ब्ताया गया है कि सेना से सेवानिवृत्त मुकेश सिंह लोधी के बेटे मोहित लोधी ने बीती रात खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली।

बताया गया है कि मोहित ने इस साल 12वीं की परीक्षा 80 प्रतिशत नंबरों से पास की थी। बीती रात अचानक ही मोहित ने खुद को गोली मार ली। गोली चलने की आवाज आसपड़ोस के लोगों ने सुनी, लेकिन ज्यादा ध्यान नहीं दिया। छात्र ने ऐसा कदम क्यों उठाया, पुलिस इसका पता लगा रही है। पुलिस ने छात्र के रूम की तलाशी ली। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। अब पुलिस छात्र के मोबाइल की डिटेल निकालने की तैयारी में है। पुलिस ने बताया कि आचार संहिता के दौरान रिटायर्ड फौजी ने लाइसेंसी 32 बोर पिस्टल महाराजपुरा थाने में जमा कराई थी। 22 जून को ही वे थाने में जमा पिस्टल घर लेकर आए थे और यहां अपनी अलमारी में रख दी थी। उन्हें आभास भी नहीं था कि बेटा इस तरह का कदम उठा लेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सामाजिक सहभागिता से ही नशा मुक्त समाज का निर्माण संभव: नारायण सिंह

- अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस पर सामाजिक न्याय मंत्री की अपील

ग्वालियर। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। सामाजिक सहभागिता से ही नशा मुक्त समाज बनाया जा सकता है। मंत्री श्री कुशवाह ने अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों से यह अपील की है।

मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि प्रदेश सरकार व भारत सरकार के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नशा मुक्त समाज की पहल की जा रही है। लेकिन इसके बाबजूद नशा मुक्त समाज का निर्माण नहीं हो सका है। बिना सामाजिक भागीदारी और

नशा मुक्त समाज का निर्माण समाज की सक्रिय भागीदारी से ही संभव होगा। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्तिगत ही नहीं सामाजिक बुराई है। इसलिए सक्रियता के नशा मुक्त सामज के लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता है। श्री कुशवाह ने कहा कि प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग द्वारा 15 जून से 30 जून 2024 तक नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें स्थानीय जिला प्रशासन के साथ स्वयं सेवी संस्थाओं, संगठनों के माध्यम से स्कूल, कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे है। अभियान के अन्तर्गत पुलिस प्रशासन के माध्यम वाहन चालकों जागरूकता अभियान, अनुविभाग और जनपद स्तर सभाओं का आयोजन शपथ ग्रहण समारोह, स्कूल, महाविद्यालयों में नशामुक्ति का संदेश वाले संस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इस अभियान के तहत राष्ट्रीय नशा मुक्ति हैल्पलाइन नम्बर 14446 का भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

नौकरी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म

ग्वालियर। पति के जेल जाने पर परेशान हो रही पत्नी को एक युवक ने जॉब दिलाने का झांसा देकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया । घटना थाटीपुर थाना क्षेत्र के होटल बागवान होटल की है। वारदात के बाद आरोपी पीडिता को धमकी देकर भाग गया। घटना की शिकार पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश में उसके घर पहुंची तो पता चला कि आरोपी अपने घर से फरार है।

महाराजपुरा स्थित डांग गुठीना निवासी 26 वर्षीय महिला ने शिकायत की है कि कुछ समय पूर्व उसकी पहचान वाट्सएप के माध्यम से सचिन तोमर निवासी बारादरी से हुई। उसके बाद उनके बीच बातचीत होने लगी और जब उसने सचिन को अपनी परेशानी और नौकरी की जरूरत बताई तो सचिन ने उसकी नौकरी लगवाने का वादा किया और बीते रोज उसे गोला का मंदिर बुलाया और एक होटल में जॉब दिलाने की बात कहीं। नौकरी की जरूरत होने के चलते वह गोला का मंदिर चौराहे पर पहुंची तो वहां पर सचिन उसका इंतजार करता मिला। उसके आते ही वह उसे पहले महलगांव और फिर थाटीपुर के बागवान होटल लेकर पहुंचा। वहां पर उसे छोड़कर कुछ देर के लिए वह चला गया और वापस आते ही उसे जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ गलत काम किया। वारदात के बाद आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी और मुंह बंद रखने की धमकी दी। इसके बाद वह उसे छोड़कर भाग गया। वारदात की शिकार पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने उसकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। पीडिता ने पुलिस को बताया कि कुछ समय से उसके पति जेल में हैं और आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। इसलिए उसे जॉब की जरूरत थी।

मुन्नीबाई हत्याकांड में फरार दो आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर। आंतरी पुलिस ने बहुओं द्वारा की गई सास की हत्या के मामले में फरार दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में चार आरोपियों को पूर्व में ही पकड़ चुकी है, जो वर्तमान में जेल में बंद है। पुलिस ने बताया कि बीती 7 मार्च को मुन्नीबाई की अमर सिंह बघेल, विजय बघेल, अजय बघेल व उसकी छोटी बहू चंदा ने लाठी डंडों से मारपीट कर हत्या की कर दी थी। आंतरी पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुये चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। जबकि दो आरोपी फरार चल रहे थे। आंतरी थाना प्रभारी देवेन्द्र मिश्रा ने बताया कि पुलिस को खबर मिली थी कि मुन्नीबाई की हत्या में फरार दो आरोपी दतिया वाईपास के पास देखे गये हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर फरार आरोपी श्रीमती चंदा बघेल पत्नी बलवीर बघेल एवं उसके भाई विजय सिंह पुत्र अमर सिंह बघेल बघेल को पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि आंतरी पुलिस द्वारा उक्त प्रकरण में आरोपिया चंदा बघेल के पिता व भाई एवं मृतका का बड़ा लड़का और बड़ी बहू को पूर्व में ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जो कि वर्तमान में जेल में हैं।

कट्टा लेकर घूम रहा बदमाश पकड़ा

ग्वालियर। वारदात करने के लिए कट्टा लेकर घूम रहे एक बदमाश को पुलिस ने पैदल भ्रमण के दौरान पकड़ा है। पकड़े गए बदमाश से पुलिस ने कट्टा और जिन्दा राउण्ड बरामद किया है। मुरार थाना प्रभारी मदन मोहन मालवीय ने बतया कि बीते रोज पुलिस कप्तान के निर्देश पर बड़ागांव चौकी प्रभारी सतीष यादव, प्रधान आरक्षक भान सिंह, आरक्षक सुनील लोधी और नरेश राजावत के साथ पैदल भ्रमण करते हुए निकले बड़ागांव पुल के पास पहुंचे तो एक युवक संदिग्ध दिखाई दिया। पुलिस ने उसे आवाज लगाई तो युवक भागने लगा। युवक को भागते देखकर उसका पीछा किया और कड़ी मशक्कत के बाद उसे दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम आरिफ अली पुत्र हुसैन शाह उम्र 21 साल निवासी मुसलमान मोहल्ला खुरैरी मुरार बताया। पुलिस ने भागने का कारण पूछा तो उसने पुलिस से डरकर भागना बताया। पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसके पास से एक कटटा और जिन्दा कारतूस बरामद बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

निगम अमले ने हाथ ठेले एवं गुमटियों को हटाया

ग्वालियर। नगर निगम के मदाखलत अमले ने बुधवार को अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। निगम अमले ने सोफिया होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट महलगांव सिटी सेंटर के बाहर जीवाजी विश्वविद्यालय परिसर की दीवार के पास लगी बीडी- सिगरेट इत्यादि सामान के गुमटीनुमा हाथ ठेला को हटा दिया और सामान को जब्त कर कार्यालय पर भिजवाया। इसके साथ ही नेहरु पेट्रोल पम्प से गोल पहाडिया तक हाथ ठेलों को होकर जॉन में शिफ्ट कराया गया। कार्रवाई में दो हाथ ठेले जप्त किए गये। वहीं महाराज बाड़ा सुभाष मार्केट, गांधी मार्केट, नजरबाग मार्केट से हाथ ठेले हटवाए गए। कार्यवाही के दौरान मदाखलत निरीक्षक सुघर सिंह सिसोदिया उपस्थित रहे।

खनिज अफसरों पर माफिया ने किया हमला, गोली मारने की दी धमकी

ग्वालियर। रेत से ओवरलोड भरे डंपर को जब खनिज अफसरों ने रोकने का प्रयास किया तो चालक कट मारकर अपना वाहन भगा ले गया। घटना मुरार थाना क्षेत्र में बिजौली रोड की है। जब अफसरों ने पीछा कर डंपर को पकड़ा तो चालक रेत खाली कर भाग निकला और डंपर मालिक ने अपने साथियों के साथ हमला कर गोली मारने की धमकी दी। घटना का शिकार पीडित थाने पहुंचा और मामले की शिकायत की। शिकायत पर पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा, धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

यशोदा रेजीडेंसी कॉलोनी अलकापुरी निवासी राजेश कुमार गंगेले पुत्र प्रेम नारायण गंगेले खनिज विभाग में सहायक खनिज अधिकारी है। बीते रोज वह तथा उनका स्टाफरेत भरकर निकलने वाले वाहनों की जांच के लिए बिजौली रोड पर पहुंचे और चेकिंग शुरू कराई, इसी बीच एक डंपर एमपी07जेडक्यू 7931 आता दिखाई दिया, जिसमें करीब 30 घन मीटर रेत भरा हुआ था, उसे रोकने का प्रयास किया तो चालक उन्हें कट मारकर भाग निकला। भाग रहे डंपर का खनिज टीम ने पीछा किया और बड़ागांव हाइवे पुल के बगल से सर्विस रोड के माध्यम से फोरलाइन पर वाहन पहुंचा, जहां पर वाहन चालक एवं उसके संचालनकर्ता अन्य व्यक्तियों के साथ आकर खनिज दल के साथ गाली-गलौज कर बदसलूकी की एवं खनिज टीम पर लोहे की रॉड़ से हमला कर राइफल से गोली मारने की धमकी दी। अचानक हुए हमले से पूरा स्टाफघबरा गया और भागकर जान बचाई, इसी बीच आरोपी चालक वाहन में भरा रेत खाली कर भाग निकला। मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। वाहन की जांच की तो पता चला कि उसकी नंबर प्लेट पर पेंट लगा हुआ है और अधिक जानकारी की तो पता चला कि शासन को धोखा देने के लिए आरोपी डंपर का नंबर बदलकर चला रहे हैं। क्योंकि डंपर का नंबर एमपी 07 जेडक्यू 7931 ना होकर आरजे32जीसी 7268 है। इसका पता चलते ही पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा सहित धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। जांच में पता चला है कि डंपर का मालिक कान्हा पिता गोविंद सिंह यादव निवासी रायजिंग सिटी बड़ागांव मुरार है। पुलिस अब उसकी व डंपर की तलाश में जुट गई है। टीआई मुरार मदन मोहन मालवीय ने बताया कि खनिज विभाग पर हमला करने के चलते शासकीय कार्य में बाधा सहित धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

नेत्रहीन महिला के खाते से 5.80 लाख रुपये ठगने वाले गिरोह का सदस्य झारखंड से गिरफ्तार

ग्वालियर। क्राइम ब्रांच की सायबर क्राइम विंग ने नेत्रहीन महिला के खाते से 5.80 लाख रुपये ठगने वाले गिरोह के एक सदस्य को झारखंड से गिरफ्तार किया है। साथ ही स्थानांतरित की गई रकम को वापस भर कराया है।

एएसपी क्राइम आयुष गुप्ता एवं डीएसपी क्राइम नागेन्द्र सिंह सिकरवार ने बताया कि हरिशचन्द शर्मा ने एक शिकायती आवेदन देकर बताया था कि उसकी नेत्रहीन बेटी के सैलरी खाते से लिंक सिम कार्ड को अज्ञात आरोपी द्वारा ईसिम में परिवर्तित कर दुमका झारखण्ड में एक्टिवेट कर अलग-अलग राज्यों के भिन्न-भिन्न खातों मे 5,80,000 रूपये की राशि धोखाधड़ी कर स्थानांतरित कर ली गई है। इस शिकायत की विवेचना में पुलिस को पता चला कि ईसिम एक्टिव कर असम, कोलकाता, झारखंड, कर्नाटक, बिहार, हल्दवानी उत्तराखंड के खातों में राशि को ट्रांसफर किया गया। जिसमें सभी खातों के खाताधारकों तथा खातों के वास्तविक संचालकों एवं अपराध में प्रयुक्त की गई सिमकार्ड की जानकारी भी एकत्र की गई। यह सिमकार्ड भी अलग-अलग व्यक्तियों के नाम पर पाई गई। विवेचना में बारीकि से विश्लेषण करने के पश्चात हल्दवानी उत्तराखंड के पंजाब नेशनल बैंक में खोले गये खाता के वास्तविक धारक की जानकारी प्राप्त हुई। जिसका संबंध भी जामतारा के नजदीक, दुमका झारखंड से ही पाया गया। जिसके बाद पुलिस ने जानकारी एकत्रित कर झारखंड के दुमका जिले में दबिश देकर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिससे खाते में लिंक सिमकार्ड तथा खाता के संचालन में उपयोग किया गया मोबाइल डिवाइस भी बरामद किया गया।

संपत्ति कर वसूली कैंप चेम्बर में आज

ग्वालियर । सम्पत्तिकर वसूली के लक्ष्य की पूर्ति के लिए कॉलोनियों, मार्केट, मल्टीयों सहित विभिन्न स्थानों पर संपत्ति कर वसूली शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उपायुक्त सम्पत्तिकर ने बताया कि लंबित सम्पत्तिकर वसूल किए जाने हेतु एवं आमजन की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए आज 27 जून को चेम्बर ऑफकॉमर्स में सुबह 10 से सायं 5 बजे तक संपत्ति कर वसूली कैम्प का आयोजन किया जायेगा।

जीवाजी यूनिवर्सिटी में एनएसयूआई का अनूठा प्रदर्शन, उड़ाए नकली नोट

ग्वालियर। जीवाजी यूनिवर्सिटी में एनएसयूआई के छात्रों ने कुलसचिव के चेंबर के बाहर नोटों की बारिश कर अनूठा प्रदर्शन किया। एनएसयूआई के

छात्रों ने यह प्रदर्शन बीएड, नर्सिंग कॉलेज की मान्यता घोटाले को लेकर किया है। यूनिवर्सिटी में छात्रों द्वारा किए गए प्रदर्शन और नोट लुटाने का वीडिया सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। प्रदर्शन के दौरान लुटाए गए नोट नकली थे, जो बच्चों के खेलने के लिए होते हैं। एनएसयूआई का कहना है कि उन्होंने सांकेतिक नोटों की वर्षा कर जेयू प्रबंधन को एक मैसेज देने का काम किया है।

मध्यप्रदेश में अपात्र कॉलेजों को मान्यता देने को लेकर एनएसयूआई के छात्र-छात्राओं ने बुधवार को जीवाजी यूनिवर्सिटी में हल्ला बोल प्रदर्शन किया। छात्रों ने कुलसचिव के चेंबर के बाहर नकली नोट उड़ाकर प्रदर्शन किया। एनएसयूआई के छात्र नेताओं ने कुलसचिव को भ्रष्ट बताया और विश्वविद्यालय में नोट उड़ाओ प्रदर्शन किया। एनएसयूआई छात्रों का आरोप है कि विश्वविद्यालय ने अपात्र बीएड और डीएड सहित नर्सिंग कॉलेजों को बिना जांच व आधार के मान्यता दी है। जिसमें साफ्तौर पर भ्रष्टाचार होता नजर आया है। जिसके खिलाफएनएसयूआई छात्र संगठन ने यह प्रदर्शन किया है। बुधवार को अचानक एक दर्जन से अधिक छात्र विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार अरुण सिंह के चेंबर के बाहर पहुंचे और अपना विरोध दर्ज कराते हुए नकली नोटों को उड़ाना शुरू कर दिया। प्रदर्शन करने पहुंचे एनएसयूआई छात्र नेता वंश माहेश्वरी का कहना था कि 29 मई को एसटीएफ ने जीवाजी यूनिवर्सिटी से मान्यता प्राप्त करने वाले अंचल के 6 कॉलेज के खिलाफ धोखाधड़ी व कूटरचित दस्तावेज तैयार करना और आपराधिक षडयंत्र की धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई थी। ऐसे ही अपात्र और कागजों में संचालित होने वाले कॉलेज को भ्रष्टाचार के रुपयों के लालच में फिर से विश्वविद्यालय मान्यता देने की तैयारी में है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की छात्रों के भविष्य से ज्यादा अपनी जेब भरने की मंशा बन गई है। इसलिए सांकेतिक रूप से नकली नोट उड़ाकर एनएसयूआई ने अपना विरोध दर्ज कराया है। उनका कहना है कि यदि विश्वविद्यालय के जिम्मेदार अधिकारियों को रुपयों का इतना लालच है तो एनएसयूआई के सभी छात्र अपनी पॉकेट मनी से रुपया इकट्ठा कर विश्वविद्यालय को दे देंगे, लेकिन छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हरगिज नहीं होने देंगे।

नाराज होकर घर से गई छात्रा दिल्ली में मिली

ग्वालियर। परिजनों से सोलह वर्षीय छात्रा नाराज होकर घर से चली गई। छात्रा के गायब होने का पता चलते ही परिजन थाने पहुंचे और पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर सोलह घंटे की मशक्कत के बाद दिल्ली से छात्रा को बरामद किया है। अपने बयानों में छात्रा ने परिजनों से नाराज होकर जाना बताया है।

थाटीपुर थाना प्रभारी केके पाराशर ने बताया कि दो दिन पहले एक सोलह वर्षीय छात्रा गल्ला कोठार से लापता हो गई थी। छात्रा के गायब होने का पता चलते ही परिजन थाने पहुंचे और मामले की शिकायत की। पुलिस ने शिकायत पर अपहरण का मामला दर्ज कर छात्रा की तलाश की तो पता चला कि छात्रा बड़ागांव इलाके की तरफहै। इसका पता चलते ही पुलिस बड़ागांव इलाके पहुंची तो पता चला कि छात्रा रेलवे स्टेशन के लिए निकली है। इसका पता चलते ही पुलिस रेलवे स्टेशन पहुंची तो पता चला कि वह दिल्ली के लिए निकल गई है। इसका पता चलते ही सहायक उप निरीक्षक चतुर सिंह व महिला आरक्षक सरिता गोयल के नेतृत्व में पुलिस टीम दिल्ली रवाना की गई। पुलिस टीम जब दिल्ली स्टेशन पहुंची तो वहां पर छात्रा मिल गई। छात्रा को पुलिस टीम ने निगरानी में लेकर पूछताछ की तो उसने बताया कि परिजनों से नाराज होकर उसने घर छोड़ा और एक दिन सड़क पर भटकते हुए बिताया है। इसके बाद वह दिल्ली आ गई, लेकिन कोई ठिकाना नहीं होने के कारण वह परेशान हो रही थी। पुलिस छात्रा को बरामद कर ग्वालियर ले आई। यहां पर छात्रा ने किसी तरह की घटना ना होने के कारण एफआईआर दर्ज कराने से इनकार कर दिया।

किराया मांगा तो महिला पर चाकू से हमला

ग्वालियर। दुकान का किराया मांगने पर नाराज हुए किराएदार ने बुजुर्ग महिला को चाकू मार दिया। घटना मुरार थाना क्षेत्र के बंशीपुरा में बीती रात करीब दस बजे की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

मुरार थाना क्षेत्र के तेलमील बंशीपुरा निवासी 65 वर्षीय बादामी कुशवाह पत्नी स्वर्गीय कैलाश कुशवाह की घर के बाहर एक दुकान है, जिसे उसने कृष्णपाल सिंह को दिया हुआ है। मंगलवार को महिना पूरा होने पर बादामी बाई उससे किराया लेने गई तो उस समय किराया नहीं होने की कहकर बाद में भिजवाने की बोला तो बादामी बाई वापस आ गई थी। बीती रात करीब दस बजे कृष्णपाल सिह उनके घर पर दारू के नशे में पहुंचा और गेट नॉक किया। बाहरी कमरे मे सो रही बादामी बाई ने जैसे ही दरवाजा खोला तो बाहर उसे कृष्णपाल खड़ा हुआ दिखा, तो उसने रात को आने का कारण पूछा, इतना सुनते ही वह गाली गलौज करने लगा और बादामी बाई कुछ समझ पाती उससे पहले ही जेब से चाकू निकाल कर आरोपी ने बादामी बाई पर हमला किया। चाकू देखते ही बादामी बाई ने बचने का प्रयास किया तो चाकू उसके हाथ में लगा। वारदात को अंजाम देकर आरोपी ने भागने का प्रयास किया, लेकिन उससे पहले ही पास ही बैठे पड़ोसियों ने उसे दबोच लिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल बुजुर्ग महिला को उपचार के लिए पहुंचाकर आरोपी के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है।

संपादकीय

बड़े शहरों में सुरक्षा मानकों पर फेल हैं कई खेल

जहां मनोरंजन आदि के लिहाज से किसी खेल का संचालन किया जाता है। मगर वहां सुरक्षा इंतजामों को लेकर जरूरी सावधानी नहीं बरती जाती है, जिसका खमियाजा वहां आए बच्चों या लोगों को भुगतना पड़ता है। शहरों-महानगरों में बने व्यावसायिक परिसरों या माल में जाने वाले लोग आमतौर पर सामान की खरीदारी के अलावा वहां होने वाली अलग-अलग गतिविधियों के प्रति भी आकर्षित होते हैं। इनमें पैसा चुका कर खेले जाने वाले कई तरह के खेल भी शामिल होते हैं, जो खासतौर पर बच्चों का ध्यान खींचते हैं। इन परिसरों में सुरक्षा के उच्च मानकों का पालन करने का दावा किया जाता है। मगर चंडीगढ़ के एक मशहूर माल में जिस तरह 'खिलौना ट्रेन' के अचानक पलट जाने से एक बच्चे की जान चली गई, उससे यही साबित हुआ है कि लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए ऐसी जगहों का प्रबंधन समूह कारोबारी गतिविधियां संचालित तो करता है, लेकिन उसके सुरक्षित होने को लेकर पर्याप्त फिक्र नहीं की जाती। माल में 'खिलौना ट्रेन' में बच्चों को बिठा कर उसे चलाते हुए इसका ध्यान रखने की जरूरत नहीं समझी गई कि गाड़ी में बैठे बच्चों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करनी है। नतीजतन, एक जगह मुड़ते हुए गाड़ी पलट गई और उसके डिब्बे से ग्यारह वर्ष के एक बच्चे के सिर में इस तरह चोट लगी कि उसकी जान चली गई।

साफ है कि यह प्रबंधन की जिम्मेदारी उठाने में बरती गई घोर लापरवाही है, जिसकी कीमत एक परिवार को इस त्रासद तरीके से चुकानी पड़ी। व्यावसायिक परिसरों में ऐसे मामले अक्सर सामने आते हैं, जहां मनोरंजन आदि के लिहाज से किसी खेल का संचालन किया जाता है। मगर वहां सुरक्षा इंतजामों को लेकर जरूरी सावधानी नहीं बरती जाती है, जिसका खमियाजा वहां आए बच्चों या लोगों को भुगतना पड़ता है। ज्यादा दिन नहीं बीते हैं जब गुजरात के राजकोट में एक खेल परिसर में आग लगने से कम से कम तीस लोगों की जान चली गई थी। इस तरह के हादसों के उदाहरण होने के बावजूद व्यावसायिक परिसरों में बच्चों के लिए आयोजित गतिविधियों में हर स्तर पर जरूरी सावधानी क्यों नहीं बरती जाती है? वहां कारोबार या मनोरंजन गतिविधियों के मामले में सुरक्षा या व्यवस्था संबंधी मामलों की निगरानी और उसकी जांच किसकी जिम्मेदारी है? किसी बड़े हादसे के बाद सरकार और प्रशासन के बीच जैसी सक्रियता देखी जाती है।

हुआ यों कि वह युवक गोलगप्पे का ठेला लगाता था, वहीं उससे कुछ कदम की दूरी पर एक सब्जी बेचने वाला था, जिसने इससे दस रुपये का एक प्लेट गोलगप्पा उधार लिया था। बाद में उसने पैसे देने से इन्कार कर दिया, तो दोनों के बीच इस बात पर कहा-सुनी हो गई और बात इतनी बढ़ गई कि उस व्यक्ति ने एक बोतल उठाकर गोलगप्पे वाले का गला काट दिया। यह अपराध जितना चौंकाने वाला है, उससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात है कि यह घटना एक व्यस्त और चहल-पहल भरे बाजार में लोगों की नजरों के सामने हुई। मेरी घरेलू सहायिका ने बताया कि लोग सिर्फ देख रहे थे और घटना का वीडियो बना रहे थे। कोई भी न तो उसे बचाने आया और न ही बीच-बचाव करने आया।

कितना बदल गया इंसानः अस्तित्व के जंगल में सभी अकेले... घटते संवाद के कारण मानवीय सहानुभूति भी दम तोड़ देती है

पिछले हफ्ते एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एक युवती को उसके कथित पूर्व प्रेमी ने मार डाला व लोग वीडियो बनाते रहे। लोगों की यह निष्क्रियता दर्शाती है कि घर से निकलने के बाद आप बिल्कुल अकेले होते हैं। %कोई दूसरा हस्तक्षेप करेगा% की व्यक्तिगत सोच सामूहिक निष्क्रियता की ओर ले जाती है। इस हफ्ते की शुरुआत में मेरी एक अंशकालिक सहयोगी ने एक युवक की कहानी सुनाई, जिसकी मात्र दस रुपये के लिए कई लोगों की मौजूदगी में बेरहमी से हत्या कर दी गई। हुआ यों कि वह युवक गोलगप्पे का ठेला लगाता था, वहीं उससे कुछ कदम की दूरी पर एक सब्जी बेचने वाला था, जिसने इससे दस रुपये का एक प्लेट गोलगप्पा उधार लिया था। बाद में उसने पैसे देने से इन्कार कर दिया, तो दोनों के बीच इस बात पर कहा-सुनी हो गई और बात इतनी बढ़ गई कि उस व्यक्ति ने एक बोतल उठाकर गोलगप्पे वाले का गला काट दिया। यह अपराध जितना चौंकाने वाला है, उससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात है कि यह घटना एक व्यस्त और चहल-पहल भरे बाजार में लोगों की नजरों के सामने हुई। मेरी घरेलू सहायिका ने बताया कि लोग सिर्फ देख रहे थे और घटना का वीडियो बना रहे थे। कोई भी न तो उसे बचाने आया और न ही बीच-बचाव करने आया। इसका नतीजा यह हुआ कि दो मासूम बच्चों के बीस वर्षीय पिता ने खून से लथपथ जमीन पर गिरकर दम तोड़ दिया। दुर्भाग्य से यह सार्वजनिक उदासीनता का अकेला मामला नहीं है, बल्कि देश भर के कई शहरों और कस्बों में ऐसा होता है। पिछले हफ्ते न्यूज चैनलों पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें सुबह-सुबह एक युवती को एक ऐसे व्यक्ति ने मार डाला, जिसे उसका पूर्व प्रेमी बताया जा रहा था। यह मामला प्रेम प्रसंग में आई कड़वाहट का लग रहा था। पीठ पर बैग लटकाए हुए उस लड़के ने युवती पर लगातार हमला किया, जबकि वहां खड़े अन्य लोग, खासकर उससे काफी बड़े लोग यह सब देख रहे थे। यह कोई ऐसा मामला नहीं था, जिसमें कोई खतरनाक अपराधी बंदूक या किसी घातक हथियार से लोगों को डरा रहा हो, बल्कि यह एक छोटे कद का लड़का था, जो युवती पर हमला कर रहा था। ऐसी हिंसा के सामने लोगों की यह निष्क्रियता क्या बताती है? पिछले वर्ष एक अन्य लड़के को पत्थर से एक लड़की के सिर को कुचलते हुए देखा गया था, जबकि आसपास खड़े कई लोग मूकदर्शक बने हुए थे। शहर भर में लगे सीसीटीवी कैमरे इन भयावह घटनाओं को कैद करने का बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, लेकिन वे यह भी दिखाते हैं कि लोगों की नैतिकता कितनी गिर चुकी है। इन सभी मामलों में और अन्य मामलों में भी तथ्य यह है कि असहाय और असुरक्षित पीड़ित को क्रूरता का सामना करना पड़ता है और लोग हस्तक्षेप नहीं करते हैं। यह हमें न केवल हैरान करता है, बल्कि यह भी बताता है कि एक बार घर से निकलने के बाद आप बिल्कुल अकेले होते हैं। दूसरी तरफ ऐसे भी उदाहरण हैं, जब भले लोगों ने मामले में हस्तक्षेप किया और उन्हें उसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी। कुछ साल पहले मुंबई में रुबेन और कीनन नामक दो लड़कों को तब अपनी जान गंवानी पड़ी, जब वे अपने समूह की दो लड़कियों को छेड़खानी करने वालों से बचा रहे थे। उस समय भी काफी सारे लोग अपराधियों को उन्हें पीटते और चाकू घोंपते देख रहे थे, लेकिन किसी ने बीच-बचाव नहीं किया। कीनन तो वहीं मर गया, लेकिन रुबेन 11 दिनों तक अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ता रहा। एक बार फिर यह घटना राष्ट्रीय समाचार बनी। ऐसी घटनाओं पर बाद में आक्रोश जताना और नैतिक रूप से निंदा करना एक नियमित अभ्यास हो गया है, लेकिन वास्तव में कुछ नहीं बदलता है। कीनन और रुबेन की घटना 2011 में हुई थी और अब 2024 में भी हम इन स्थितियों से जूझ रहे हैं। ऐसा लगता है कि ये घटनाएं बहुत दूर नहीं, बल्कि हमारे पड़ोस में हो रही हैं, जैसा कि मेरी घरेलू सहायिका ने बताया। बहुत संभव है कि हममें से कोई भी ऐसी किसी घटना में फंस जाए और बहुत कम मदद मिले। समाज के लोगों के बीच एक अघोषित अनुबंध होता है कि हम एक-दूसरे का ख्याल रखेंगे और खतरों का सामना करते हुए एक-दूसरे के प्रति दयालुता दिखाएंगे। यह एक मानवीय अनुबंध है, जो उन मानवीय मूल्यों और अनुभवों पर आधारित होते हैं, जिन्हें एक समाज के रूप में हम साझा करते हैं। हालांकि अक्सर इस अनुबंध का उल्लंघन होता है। यह बेहद आम है और निर्मम तरीके से होता है, जैसे ट्रैफिक में एंबुलेंस को रास्ता देने या जानलेवा खतरे में पड़े किसी व्यक्ति की मदद करने से इन्कार करना। इस तरह की निष्क्रियता का क्या मतलब है? यह एक मनोवैज्ञानिक स्थिति है, जिसे 'बाईस्टैंडर प्रभाव' कहा जाता है, जो कुछ हद तक इसके बारे में खुलासा करता है। वर्ष 1964 में किट्टी जेनोविस नामक एक महिला बारटेंडर की न्यूयॉर्क में बलात्कार करने के बाद हत्या कर दी गई। मीडिया में छपे एक लेख में दावा किया गया कि 38 लोगों ने कुछ अप्रिय घटना सुनी या देखी, लेकिन किसी ने भी पुलिस को नहीं बुलाया। इससे व्यापक स्तर पर लोगों में दहशत फैली और एक अध्ययन शुरू हुआ, जिसे %बाईस्टैंडर प्रभाव% के नाम से जाना जाता है। पाया गया कि जब किसी सार्वजनिक स्थल पर कोई अपराध होता है, तो वहां मौजूद लोगों में जिम्मेदारी की भावना बिखर जाती है। हर कोई मानता है कि कोई दूसरा आगे बढ़कर हस्तक्षेप करेगा, हर व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत भागीदारी से जुड़े जोखिम का हिसाब लगा रहा होता है। यह व्यक्तिगत सोच सामूहिक निष्क्रियता की ओर ले जाती है। इसके अलावा, पुलिस और व्यवस्था की जटिल प्रक्रिया के कारण लोग तुरंत मुंह फेर लेते हैं, उन्हें यह भय रहता है कि अगले कुछ वर्षों तक वे नौकरशाही के चक्कर में फंस जाएंगे।

इन सामाजिक और कानूनी पचड़ों के कारण लोग उदासीन होकर मूकदर्शक बन जाते हैं। फिर स्वार्थ का भी एक अनिवार्य कारण होता है, जो आत्मरक्षा का सुझाव देता है। हमारे हाईटेक, इंटरनेट द्वारा संचालित समाजों में दूसरे लोगों से अलग-थलग रहने की प्रवृत्ति तेजी से सामान्य होती जा रही है। इंटरनेट और एआई की सहायता से सोचने वाली मशीनों पर हमारी बढ़ती निर्भरता ने समुदाय के प्रति हमारी भावना में कमी लाई है। यह अन्य मनुष्यों तक हमारी पहुंच को सीमित करता है। समाज के अन्य लोगों के साथ घटते संवाद के कारण धीरे-धीरे मानवीय सहानुभूति भी दम तोड़ देती है। अस्तित्व के जंगल में हम सभी सबसे ऊंची दहाड़ वाले शेर बनना चाहते हैं और अपने अकेले रास्ते पर चलना चाहते हैं, लेकिन इस बात की संभावना ज्यादा है कि हिरणों का झुंड ज्यादा खुश रहता हो, जो संकेतों से एक-दूसरे को सचेत करता है और सह-यात्री के रूप में जीवन बिताता है।

दुनिया मेरे आगेः जीवन की सबसे बड़ी कमाई है ज्ञान का पन्ना, किताबें दिखाती हैं सही राह

एक तरह से किताब औषधि का भी काम करती है जो जीवन की हर छोटी-बड़ी दुविधा से बाहर आने का रास्ता क्षण भर में दिखा देती है। किताबों में लिखे शब्दों को लेखक अपने अंदाज में लिखता है, जिसे कविता, लेख, शायरी या कहानी के रूप में पढ़ा या सुना जाता है, मगर शब्दों का अर्थ वही होता है। अक्सर लोग अपने आप से तरह-तरह के सवाल करते हैं कि उनका यह जीवन ऐसा या वैसा है तो आखिर किसलिए है। कुछ लोग सोचते हैं कि आखिर वे कौन हैं, उनका इस जगत में क्या स्थान है। व्यवहार मनोवैज्ञानिक सप्रमाण यह कहते हैं कि इस दुनिया के बहत्तर फीसद लोग लगभग इसी तरह का चिंतन करते हैं। इन सवालों का जवाब हमको मिलता है किताबों में। किताब एक ऐसी तिजोरी है, जिसमे बेहिसाब दौलत भरी पड़ी है। इसे पढ़कर जो भी इस संपदा को पा लेता है, वह सबसे बढ़कर धनवान बनता है। जिज्ञासा शांत होने पर अनमोल धन यानी संतोष धन मिलता है। कहा भी गया है कि 'जब आवै संतोष धन, सब धन धूरि समान।' किताब एक चमत्कार तो करती ही है, वह पढ़ने वाले में हौले-से एक जादुई खुशी तरंगित कर देती है कि वह उदासी और अवसाद से बाहर निकलकर एक संपूर्ण मनुष्यता के भाव में बहने लगता है। इसलिए एक पुस्तक पढ़ना बिल्कुल वैसा ही है जैसे किसी अंतरंग मित्र से गपशप करना।

अच्छी और उपयोगी पुस्तक का ज्ञान व्यक्ति को नई सीमाओं तक पहुंचने का जरिया बनाता है। जब व्यक्ति पुस्तक को पढ़ने के साथ गुन भी लेता है, तब वह एक अद्भुत ऊर्जा को महसूस करता है और अपनी सीमाओं से संघर्ष करता है। वह अपनी दैहिक और मानसिक सीमाओं को पार करने का कौशल विकसित करता है। इसके बाद, व्यक्ति नए स्तरों को प्राप्त करने के लिए एक नया आत्मविश्वास और क्षमताएं प्राप्त करता है। इस लिहाज से किताब खुशी और संतोष के अलावा संघर्ष के लिए साहस को ताकत देती है।

महात्मा गांधी ने जान रस्किन की 'अनटु द लास्ट' पढ़कर अपने भीतर एक अनोखा परिवर्तन महसूस किया था, जिसे उन्होंने 'सर्वोदय' के रूप में रूपांतरित किया और एक शिक्षण उपकरण के रूप में उपयोग करना चुना। इसी तरह लियो टाल्स्टाय की पुस्तक 'द किंगडम आफ गाड इज विदइन यू' से गांधीजी काफी प्रभावित हुए थे और उन्होंने मानवता की रक्षा के लिए अहिंसा को विरोध का शस्त्र बनाया। दक्षिण अफ्रीका में संघर्ष के केंद्र के रूप में स्थापित आश्रम का नाम भी उन्होंने टाल्सटाय आश्रम रखा। आजकल कुछ विद्यालय भी पढ़ने को एक जरूरी गतिविधि बना रहे हैं और अकबर-बीरबल और तेनालीराम की पुस्तकों को विद्यार्थियों के ग्रीष्मकालीन अवकाश के अध्ययन के लिए शामिल कर रहे हैं। कारण यह कि इन किताबों में सहज ही जीवन की छोटी-बड़ी समस्या का सरल समाधान मिल जाता है। साथ ही तत्कालीन भारत के माहौल और आचार-व्यवहार की झलक भी मिलती है। पुस्तकें मनुष्य के नैतिक मूल्यों को पोषित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संतों और प्रसिद्ध लोगों द्वारा लिखी गई किताबें हमें एक अच्छा इंसान बनने के सही नैतिक मूल्यों के बारे में सिखाती हैं। अगर 'पंचतंत्र' और 'हितोपदेश' जैसी पौराणिक कृतियां जीवन का नैतिक संस्कार सिखाती हैं तो 'सिंहासन बत्तीसी' और 'चंद्रकांता संतति' जैसी किताबें हमें जीवन के अनेक अनदेखे पहलू भी दिखा देती है। उसी तरह 'हैरी पाटर' और 'सिंड्रेला' जैसी किताबें हमें जीवन की कड़वी सच्चाइयों से दूर खूबसूरत दुनिया के बारे में सपने दिखाती हैं।

किताबें हर बच्चे के लिए बचपन का असली खजाना हैं। ये अच्छाई और बुराई के बीच फर्क करना भी सिखाती हैं। एक इंसान के शौक कई तरह के हो सकते हैं। उनमें से कुछ किताबों के शौक रखने वाले लोग होते हैं जो कभी अकेलापन महसूस नहीं करते और अपने जीवन में एक बेहतर दोस्त होने का अनुभव करते हैं। किताब का लेखक अपने जीवन भर के सफर और अपने ज्ञान को शब्दों में पिरो कर उसे एक किताब का रूप देता है।

ऐसे अनेक लेखकों के अनेक तरह के विचार हमारे सामने एक किताब के रूप में होता है, जिसे पढ़कर मनुष्य के मस्तिष्क में सकारात्मक और शांत विचारों की धारा प्रवाहित होने लगती है। चीजों को गहराई से अनुभव करने में किताबों की भूमिका किसी के छिपी नहीं है। एक तरह से किताब औषधि का भी काम करती है जो जीवन की हर छोटी-बड़ी दुविधा से बाहर आने का रास्ता क्षण भर में दिखा देती है। किताबों में लिखे शब्दों को लेखक अपने अंदाज में लिखता है, जिसे कविता, लेख, शायरी या कहानी के रूप में पढ़ा या सुना जाता है, मगर शब्दों का अर्थ वही होता है। हालांकि यह किसी लेखक के अंदाज पर निर्भर करता है कि वह किस तरह अपनी बातों को लोगों के सामने रखता है।

इसलिए जरूरी है कि युवाओं को किताबों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाए, जिसके माध्यम से युवा या अन्य वर्ग के लोग एक दूसरे के विचारों से रूबरू हो सकें। शायद यही वजह है कि महान कथाकार और कहानी सम्राट प्रेमचंद की लिखी हुई कहानियां आज भी दुनिया-भर में बहुत अधिक पढ़ी जाती हैं।

हर इंसान अपनी मनोभावना का प्रतिबिंब कहीं देखना चाहता है। ओ हेनरी की हर कहानी में सामाजिक माहौल पढ़कर पाठक को वह कहानी अपनी-सी लगती है। इसीलिए किताबें हमारे जीवन की एकमात्र ऐसी अनमोल वस्तु है जो हमें खुद से रूबरू कराती है। किताब बिना बोले हमारे मन में एक आवाज भर देती है। इसके माध्यम से हम सही ज्ञान की प्राप्ति कर सकते हैं,

जिसकी कोई सीमा नहीं है। शब्दों का अर्थ हमारे जीवन को एक दिशा देने का काम करता है या यों कहें कि किताबों में किसी व्यक्ति के जीवन को बदलने तक की क्षमता होती है। ऐसी तमाम पुस्तकें हैं जो जीवन की अनेक परतें खोलती हैं। मन के लिए साबुन का काम करती हैं।

पड़ोसः अफगानिस्तान में महिलाओं की दुर्दशा...

हाल ही में तालिबान द्वारा 14 महिलाओं और 60 से ज्यादा लोगों को दंड के तौर पर सार्वजनिक तौर पर कोड़े मारे गए, जिसकी सारी दुनिया में निंदा हो रही है। उल्लेखनीय है कि तालिबान के 1990 के दशक के शासन में भी यही होता था। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूएनएचसीआर ने कहा कि नवंबर, 2022 से अप्रैल, 2023 के बीच अफगानिस्तान में ऐसी शारीरिक सजा के 41 से ज्यादा मामले सामने आए हैं, जिनमें 58 महिलाएं और 274 मर्द और बच्चों को अलग-अलग अपराधों के लिए कोड़े मारे गए। नाबालिग और कमसिन बच्चियों को जबरन शादी करने के लिए मजबूर किया जाता है। लड़कियों में खुदकुशी करने की प्रवृत्ति काफी बढ़ रही है। तालिबान ने सत्ता संभालते वक्त वादा किया था कि उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा।

अफगानिस्तान में तालिबान को तीसरा साल हो गया है। 15 अगस्त, 2021 को उन्होंने दूसरी बार सत्ता पर कब्जा किया था। उम्मीद की जा रही थी कि महिलाओं के प्रति उनके रवैये में तब्दीली आएगी। उनको शिक्षा पाने की इजाजत भी मिल जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। भारत समेत ऐसे बहुत से देश हैं, जो महिलाओं को शक्तिशाली बनाने में लगे हुए हैं। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी है,?जबकि दूसरी तरफ अफगानिस्तान में महिलाओं को कोड़े मारे जाते हैं। हाल ही में तालिबान द्वारा 14 महिलाओं और 60 से ज्यादा लोगों को दंड के तौर पर सार्वजनिक तौर पर कोड़े मारे गए, जिसकी सारी दुनिया में निंदा हो रही है। उल्लेखनीय है कि तालिबान के 1990 के दशक के शासन में भी यही होता था। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूएनएचसीआर ने कहा कि नवंबर, 2022 से अप्रैल, 2023 के बीच अफगानिस्तान में ऐसी शारीरिक सजा के 41 से ज्यादा मामले सामने आए हैं, जिनमें 58 महिलाएं और 274 मर्द और बच्चों को अलग-अलग अपराधों के लिए कोड़े मारे गए। नाबालिग और कमसिन बच्चियों को जबरन शादी करने के लिए मजबूर किया जाता है। लड़कियों में खुदकुशी करने की प्रवृत्ति काफी बढ़ रही है। तालिबान ने सत्ता संभालते वक्त वादा किया था कि उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। लेकिन वे घर से बाहर अकेले नहीं निकल सकतीं और न ही नौकरी कर सकती हैं। अफगानी महिलाएं घर में भी सुरक्षित नहीं हैं। तालिबान ने अफगानी महिलाओं को उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए विश्वास दिलाया था, लेकिन वहां हो कुछ और ही रहा है। पश्चिमी देशों ने अफगानिस्तान को दी जाने वाली मदद पर रोक लगा दी है।अमेरिका और दूसरे पश्चिमी देश ऐसे शासन की मदद नहीं करना चाहते, जिसने लड़कियों की शिक्षा पर रोक लगा रखी है। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूएन वूमेन ने बताया है कि अफगानिस्तान में महिलाओं की स्थिति अत्यधिक चिंताजनक है। उसने वहां महिलाओं का दमन रोकने के लिए वैश्विक कार्रवाई की मांग की है। और कहा है कि अफगानिस्तान में महिलाओं की हालात में सुधार के लिए जरूरी कदम उठाने आवश्यक हैं। तालिबान ने तीन वर्षों के शासन में सुधार का कोई कदम नहीं उठाया। तालिबान ने सत्ता पर कब्जा करके 70 से ज्यादा ऐसे आधिकारिक फरमान जारी किए हैं। और वे अभी तक कायम हैं, जिसका महिलाओं और लड़कियों के जीवन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इस समय 11 लाख लड़कियां स्कूल नहीं जा रहीं और एक लाख से ज्यादा महिलाएं यूनिवर्सिटी में पढ़ाई नहीं कर पा रही हैं। महिलाएं निर्णय लेने का अधिकार हासिल करना चाहती हैं। वे न केवल अपने घरों में, बल्कि सरकार व अन्य स्थानों पर भी अधिकार चाहती हैं, लेकिन उनकी ये मांगें पूरी नहीं हो रही हैं। इसलिए उनका दर्जा व परिस्थितियां खराब होती जा रही हैं। विश्व बैंक ने हाल ही में 190 देशों का सर्वे किया है। इसमें अफगानिस्तान में महिलाओं को करीब 90 फीसदी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा है, जिसमें शिक्षा, रोजगार, मुक्ति आंदोलन इत्यादि शामिल हैं। आईएसआईएस सैलानियों पर हमले कर रहा है। इसमें महिलाएं ही ज्यादा प्रभावित होती हैं। चंद दिनों पहले ही आईएसआईएस ने ऐसे हमलों की जिम्मेदारी कबूल की है। अफगानिस्तान में बराबर हजारा बिरादरी शिया नागरिकों पर जुल्म ढा रही है। जब भी शिया बिरादरी के लोग?मस्जिद में नमाज पढ़ने जाते हैं, उनको गोलियों का निशाना बनाया जाता है। पिछले बीस साल में भारत ने अफगानिस्तान में सबसे ज्यादा विकास कार्य किया है। वह अब भी उसे मानवीय सहायता देने की कोशिश करता रहा है। भारत चाहता है कि अलग-अलग देशों की ओर से दी जा रही मदद का दुरुपयोग न हो और अफगानिस्तान आतंक का अड्डा न बने। इसलिए जरूरी है कि अफगानिस्तान सबसे पहले अपनी जनता का भरोसा जीते। वह जब अपनी आवाम का भरोसा हासिल कर लेगा, तब उसका बदला हुआ रवैया सामने आ सकेगा। फिलहाल कोई भी देश उसे मान्यता नहीं दे रहा है। वहां महिलाओं को जो कोड़ों की सजा दी जा रही है, उसे तुरंत बंद करना होगा और शिक्षा के दरवाजे खोलने होंगे। अफगानिस्तानी महिलाओं के सुरक्षा के लिए विश्व समुदाय को भी ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

देरी के दुष्परिणाम, कैसे होगी छात्रों की परेशानी की भरपाई ?

अभिभावकों और शिक्षाविदों से विचार-विमर्श करने जा रही है, लेकिन और भी अच्छा होता कि यह सब बहुत पहले कर लिया जाता। यदि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय तभी चेत जाता, जब पहली बार एनटीए की किसी परीक्षा को लेकर प्रश्न खड़े हुए थे तो संभवतः आज जो स्थिति बनी, वह नहीं बनती। केंद्र सरकार और विशेष रूप से केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को यह आभास होना चाहिए कि एनटीए की कार्यप्रणाली में खामी के चलते न केवल मेडिकल कालेजों में प्रवेश की परीक्षा यानी नीट की विश्वसनीयता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए, बल्कि ऐसे ही सवालों की आशंका के चलते कुछ और परीक्षाओं को रद अथवा स्थगित करना पड़ा।

पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न राज्य सरकारों की ओर से आयोजित की गई प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र या तो लीक हो गए या उनके परिणामों को लेकर सवाल उठे। कुछ ऐसी भी प्रतियोगी परीक्षाएं रहीं जो समय पर संपन्न तो हो गईं लेकिन उनके परिणाम तय अवधि में घोषित नहीं किए गए। हैरानी नहीं कि इन सब कारणों से हाल के लोकसभा चुनावों में भाजपा के खिलाफ माहौल बना हो। यह अच्छा है कि जहां नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए की ओर से रद एवं स्थगित की गई परीक्षाओं को फिर से आयोजित करने की तैयारी की जा रही है, वहीं इस एजेंसी की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति परीक्षाओं को पारदर्शी बनाने के लिए छात्रों, अभिभावकों और शिक्षाविदों से विचार-विमर्श करने जा रही है, लेकिन और भी अच्छा होता कि यह सब बहुत पहले कर लिया जाता। यदि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय तभी चेत जाता, जब पहली बार एनटीए की किसी परीक्षा को लेकर प्रश्न खड़े हुए थे तो संभवतः आज जो स्थिति बनी, वह नहीं बनती। केंद्र सरकार और विशेष रूप से केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को यह आभास होना चाहिए कि एनटीए की कार्यप्रणाली में खामी के चलते न केवल मेडिकल कालेजों में प्रवेश की परीक्षा यानी नीट की विश्वसनीयता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए, बल्कि ऐसे ही सवालों की आशंका के चलते कुछ और परीक्षाओं को रद अथवा स्थगित करना पड़ा। इसके चलते करीब 37 लाख छात्र प्रभावित हुए हैं। यह एक बहुत बड़ी संख्या है और आश्चर्य नहीं कि इन छात्रों और उनके अभिभावकों के मन में सरकार के प्रति असंतोष हो। जैसे केंद्र सरकार केंद्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता बनाए रखने को लेकर समय रहते नहीं सजग हुई, वैसी ही गलती कई राज्य सरकारों से भी हुई। पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न राज्य सरकारों की ओर से आयोजित की गई प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र या तो लीक हो गए या उनके परिणामों को लेकर सवाल उठे। कुछ ऐसी भी प्रतियोगी परीक्षाएं रहीं, जो समय पर संपन्न तो हो गईं, लेकिन उनके परिणाम तय अवधि में घोषित नहीं किए गए। हैरानी नहीं कि इन सब कारणों से हाल के लोकसभा चुनावों में भाजपा के खिलाफ माहौल बना हो। वैसे तो पिछले कुछ वर्षों में शायद ही कोई ऐसी राज्य सरकार रही हो, जिसकी प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक न हुए हों, लेकिन औरों से अलग होने का दावा करने वाली भाजपा की केंद्र एवं राज्य सरकारों से यही अपेक्षित था कि वे इन मामलों पर कहीं अधिक सजगता का परिचय देतीं। कोई नहीं जानता कि ऐसा क्यों नहीं किया गया? आखिर छात्रों के हितों की रक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति उनके भरोसे को बनाए रखने के लिए अब जो कदम उठाए जा रहे हैं, वे पहले क्यों नहीं उठाए जा सके? भाजपा नेतृत्व और उसकी सरकारों को यह आभास होना चाहिए कि समय पर सही कदम न उठाने के क्या दुष्परिणाम होते हैं? हो सकता है कि परीक्षाओं की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न स्तरों पर जो पहल की जा रही है, उसके सार्थक परिणाम सामने आएं, लेकिन प्रश्न यह है कि विभिन्न परीक्षाओं को रद एवं स्थगित करने अथवा उनके परिणाम घोषित करने में देरी के कारण लाखों छात्रों को जो परेशानी उठानी पड़ी, क्या उसकी भरपाई संभव है?

हॉकी इंडिया ने पेरिस ओलंपिक के लिए टीम घोषित की, श्रीजेश और मनप्रीत अपना चौथा ओलंपिक खेलेंगे

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने बुधवार को पेरिस ओलिंपिक के लिए 16 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम का ऐलान कर दिया। टीम की कमान हरमनप्रीत सिंह को सौंपी गई है तो मिडफील्डर हार्दिक सिंह को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। हरमनप्रीत की अगुवाई में टीम इंडिया 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होने वाले पेरिस ओलिंपिक में हिस्?सा लेगी। हरमनप्रीत का ये तीसरा ओलिंपिक होगा। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ 5 युवा खिलाडियों को भी जगह दी गई है, जो ओलिंपिक डेब्यू करेंगे।

पूल बी में भारत, 27 जुलाई को न्यूजीलैंड से मुकाबला

भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने अभियान का आगाज 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी। भारत को पूल बी में रखा गया है। भारतीय टीम को टूर्नामेंट के पूल बी में रखा गया है। टीम इंडिया के साथ पूल बी में बेल्जियम, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड है। जबकि पूल ए में नीदरलैंड, स्पेन, जर्मनी, फ्रांस, ग्रेट ब्रिटेन और साउथ अफ्रीका हैं। ग्रुप स्टेज में टीमें एक-दूसरे से एक बार मुकाबला करेंगी। हर पूल से टॉप-4 टीमें क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करेंगी। पेरिस-2024 ओलिंपिक हॉकी मेडल राउंड मैच 8 अगस्त को तय किए गए हैं।

41 साल बाद टोक्यो ओलिंपिक में ब्रॉन्ज जीताने वाले 10 खिलाड़ी

भारतीय हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टोक्यो ओलिंपिक 2020 में जर्मनी को 5-4 के अंतर से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था। इस मैच को जीतने के बाद भारत ने 41 साल बाद ओलंपिक में हॉकी का मेडल जीता। इससे पहले भारत ने वासुदेवन भास्करन की कप्तानी में 1980 के मॉस्को ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता था। पेरिस ओलंपिक 2024 की टीम में भारत को ब्रॉन्ज जिताने वाले 10 खिलाड़ी है। इनमें श्रीजेश, हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहितदास, मनप्रीत सिंह जैसे बड़े नाम शामिल है।

टीम में अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश और मिडफील्डर मनप्रीत सिंह भी शामिल हैं, जो दोनों अपना चौथा ओलिंपिक खेलेंगे। डिफेंस लाइन में हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुमित और संजय शामिल हैं, जबकि मिडफील्ड में राज कुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह और विवेक सागर प्रसाद का योगदान देखने को मिलेगा। फॉरवर्ड लाइन में अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, मनदीप सिंह और गुरजंत सिंह जैसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं।

5 खिलाड़ी करेंगे ओलिंपिक डेब्यू

इसके अलावा, गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक, मिडफील्डर नीलकांत शर्मा और डिफेंडर जुगराज सिंह को रिजर्व प्लेयर के रूप में चयन किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि जरमनप्रीत सिंह, संजय, राज कुमार पाल, अभिषेक और सुखजीत सिंह वे पांच खिलाड़ी हैं, जो पेरिस में अपना ओलिंपिक डेब्यू करने के लिए तैयार हैं।

भारत के गेंदबाज रिवर्स स्विंग पाने के लिए गेंद में बदलाव कर रहे हैं - इंजमाम उल हक

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर और कप्तान इंजमाम-उल-हक ने एक अजीबोगरीब दावा किया है। उन्होंने कहा कि अर्शदीप सिंह जैसे भारतीय तेज गेंदबाज 2024 टी20 वर्ल्ड कप अभियान में लगातार गेंद से छेड़छाड़ कर रहे हैं। इंजमाम ने कहा कि भारत के गेंदबाज रिवर्स स्विंग पाने के लिए गेंद में बदलाव कर रहे हैं।

इंजमाम और पाकिस्तान के एक अन्य पूर्व कप्तान सलीम मलिक ने पाकिस्तानी समाचार चैनल 24 न्यूज के एक शो के दौरान 24 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के सुपर 8 मुकाबले में अर्शदीप की रिवर्स स्विंग गेंदबाजी पर चर्चा की। दोनों पूर्व क्रिकेटरों ने दावा किया कि किसी तेज गेंदबाज के लिए गेंद पर रिवर्स स्विंग पाने के लिए खेल का 14वां या 15वां ओवर थोड़ा जल्दी होता है।

अर्शदीप सिंह की गेंदबाजी पर उठाया सवाल

अर्शदीप को रिवर्स स्विंग का पहला संकेत ऑस्ट्रेलिया के 205 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान 16वें ओवर में देखने को मिला। उस ओवर की दूसरी ही गेंद ट्रैविस हेड और विकेटकीपर ऋषभ पंत दोनों से छूट गई और बाई के रूप में चार के लिए चली गई। अर्शदीप सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 37 रन देकर तीन विकेट लिए थे और भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इंजमाम के इस दावे का वीडियो वायरल हो रहा है।

शमी की गेंदबाजी पर भी उठाए थे सवाल

बता दें कि यह पहली बार नहीं है कि पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटरों ने भारतीय गेंदबाजों पर आश्चर्यजनक आरोप लगाए हैं। इससे पहले हसन रजा ने दावा किया था कि भारत ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के दौरान गेंद के अंदर कुछ चिप्स का इस्तेमाल किया था, जिससे उस टूर्नामेंट में मोहम्मद शमी ने सफलता की नई इबारत लिखी थी।

जल्द घर लौटना दुख दे रहा है- पैट कंमिस

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 से ऑस्ट्रेलिया का सफर उम्मीद से पहले ही खत्म हो गया। ऑस्ट्रेलिया ग्रुप-बी से टेबल टॉपर बनकर सुपर-8 में आया था, लेकिन यहां तीन में से महज एक ही मैच जीत पाया और उसके लिए सेमीफाइनल का दरवाजा भी बंद हो गया। सुपर-8 में ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को हराया, लेकिन फिर अफगानिस्तान और भारत से हार गया। भारत के खिलाफ हार के बाद उसकी उम्मीदें अफगानिस्तान वर्सेस बांग्लादेश मैच पर टिकी हुई थीं, लेकिन अफगानिस्तान की जीत के साथ उसका सेमीफाइनल में जानें का रास्ता पूरी तरह से बंद हो गया। टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस से जब पूछा गया था कि कौन सी चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, तो उन्होंने कहा था ऑस्ट्रेलिया तो पक्का, बाकी तीन कोई भी हो। उनके इस बयान का काफी मजाक भी बना। टी20 वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद पैट कमिंस का पहला रिऐक्शन सामने आया है। पैट कमिंस ने इंस्टाग्राम पर टूर्नामेंट की कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, वो अंत नहीं मिला हम जिसके पीछे थे। जल्द घर लौटना दुख देने वाला है, लेकिन इस टीम से मुझे प्यार है, और इन लड़कों के साथ खेलना बहुत पसंद है।

रैंकिंग में रोहित शर्मा ने लगाई लंबी छलांग

नई दिल्ली। आईसीसी ने टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल से पहले लेटेस्ट रैंकिंग जारी की है. टीम इंडिया के दिग्गज खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव को टी20 बैटिंग रैंकिंग में एक स्थान का नुकसान हुआ है. वे नंबर 1 का ताज गंवा चुके हैं. वहीं कप्तान रोहित शर्मा को फायदा हुआ है. रोहित ने लंबी छलांग लगाई है. बैटिंग रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी ट्रेविस हेड टॉप पर पहुंच गए हैं. पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को नुकसान हुआ है।

सूर्या कई मौकों पर दमदार प्रदर्शन कर चुके हैं. उन्होंने टीम इंडिया के लिए टी20 विश्व कप 2024 में भी अच्छा परफॉर्म किया है. हालांकि वे नंबर 1 का ताज अब गंवा चुके हैं. आईसीसी टी20 बैटिंग रैंकिंग में ट्रेविस हेड टॉप पर पहुंच गए हैं. हेड को 844 रेटिंग मिली है. वहीं सूर्या को 842 रेटिंग मिली है. पाकिस्तान के कप्तान बाबर को एक स्थान का नुकसान हुआ है. वे चौथे नंबर पर आ गए हैं. टीम इंडिया के यंग बैटर यशस्वी जयसवाल नंबर 7 पर बने हुए हैं।

कप्तान रोहित ने लगाई लंबी छलांग

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है. वे 38वें नंबर पर पहुंच गए हैं. रोहित को 527 रेटिंग मिली है. उन्होंने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विस्फोटक पारी खेली थी. टीम इंडिया ने इस मुकाबले में जीत दर्ज की थी. विराट कोहली को भी रैंकिंग में तीन स्थान का फायदा हुआ है. वे 47वें नंबर पर पहुंच गए हैं.

टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल खेलेगी टीम इंडिया

भारत का इस टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है. टीम सेमीफाइनल तक पहुंच गई है. यहां उसका सामना इंग्लैंड से होना है. भारत और इंग्लैंड के बीच गुरुवार को गयाना में मैच खेला जाएगा. इस टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच खेला जाएगा।

नवीन-उल-हक ने गुलबदीन नाईब को जमकर ट्रोल किया

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का सफर अब तक शानदार रहा है। ग्रुप स्टेज में राशिद खान की कप्तानी वाली टीम ने न्यूजीलैंड को मात दी और सुपर-8 में जगह बनाई। यहां अफगान टीम ने ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश को हराकर सेमीफाइनल में एंट्री ली। अफगानिस्तान और बांग्लादेश के बीच मैच में कुछ ऐसा हुआ जिसकी क्रिकेट जगत में लगातार चर्चा हो रही है। दरअसल, मुकाबले को धीमा करने के लिए गुलबदीन नाईब ने चोटिल होने का ड्रामा किया। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

नाईब की इस ऑस्कर विनिंग एक्टिंग के लिए उनके साथ नवीन उल हक ने भी उन्हें ट्रोल कर दिया है। नवीन ने सोशल मीडिया पर वेलकम फिल्म का मजेदार वीडियो शेयर किया है। दरअसल, अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट ने खिलाड़ियों को बारिश के कारण खेल धीमा करने का सुझाव दिया। उन्होंने डगआउट से ही प्लेयर्स को इशारा कर दिया था। फिर क्या था नाईब ने अपने एक्टिंग स्किल दिखाई और हैमस्ट्रिंग का नाटक किया और वह जमीन पर गिर गए। इसके चलते मुकाबले को रोकना पड़ा।

मैच को रोकना पड़ा

नाईब स्लिप पर तैनात थे। 12वें ओवर में उन्होंने ऐंठन की शिकायत की। उन्होंने पहले तो हाथ से रुकने का इशारा किया और फिर पीठ के बल गिर गए। इसके बाद कुछ देर के लिए मैच को रोकना पड़ा। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि मैच के दौरान बारिश की आंशका थी। डकवर्थ लुईस के हिसाब से अफगान टीम 2 रन आगे चल रही थी। अगर बारिश के कारण मैच रुकता तो अफगान टीम 2 रन से मैच जीत जाती। हुआ भी ऐसा ही जब मैच में बारिश बाधा बनी और डीएलएस मैथड से अफगानिस्तान ने 8 रन से मुकाबला जीता। जीत के बाद गुलबदीन नाईब दौड़ते हुए नजर आए। बता दें कि अफगानिस्तान पहली बार टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची है।

व्यापार

रिलायंस फाउंडेशन ने पेरिस ओलंपिक में बनाया देश का पहला 'इंडिया हाउस'

नई दिल्ली। रिलायंस फाउंडेशन ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के साथ मिलकर पेरिस ओलंपिक खेलों में देश का पहला 'इंडिया हाउस'स्थापित किया है। इंडिया हाउस, पेरिस के प्रतिष्ठित पार्क डे ला विलेट में बनाया गया है। पार्क में इंडिया हाउस के अलावा नीदरलैंड, कनाडा, ब्राजील और मेजबान फ्रांस समेत 14 देशों के कंट्री हाउस भी होंगे।

आईओसी सदस्या और रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर व चेयरपर्सन नीता एम.अंबानी ने इंडिया हाउस पर कहा, पेरिस ओलंपिक खेलों में पहली बार इंडिया हाउस की घोषणा करते हुए मैं बेहद खुश और उत्साहित हूं। यह एक ऐसा स्थान होगा जहां हम अपने एथलीटों का सम्मान करेंगे, अपनी जीत का जश्न मनाएंगे, अपनी कहानियाँ साझा करेंगे और दुनिया भर को भारतीयता के रंग में रंग देंगे। भारतीय ओलंपिक संघ की प्रेजिडेंट पीटी उषा ने कहा, रिलायंस फाउंडेशन के साथ साझेदारी में इंडिया हाउस का उद्घाटन, पेरिस ओलंपिक में भारतीय प्रशंसकों और एथलीटों के लिए मुख्य आकर्षणों में से एक होगा। मैं इस पहल और भारत के ओलंपिक आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए आईओसी सदस्या श्रीमती नीता अंबानी को धन्यवाद देना चाहूंगी। इंडिया हाउस में खेल प्रशंसकों के लिए विशेष वॉच पार्टियां आयोजित की जाएंगी। वॉच पार्टियां के लिए विशेष मीडिया अधिकार धारक वायकॉम 18 फीड मुहैया कराएगा। साथ ही, इसमें संस्कृति से लेकर कला और खेल से लेकर योग, हस्तशिल्प, संगीत और भारतीय नृत्य समूहों के प्रदर्शन, पारंपरिक व्यंजनों तक बहुत कुछ शामिल होगा।

टेस्ला ने करीब 12,000 साइबर ट्रकों को वापस बुलाया, इनके विंडशील्ड के वाइपर में खराबी

ऑस्टिन, टेक्सास। इलॉन मस्क की इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्यूफैक्चरर टेस्ला ने अमेरिका में 11,688 साइबर ट्रक्स को वापस बुलाया है। अमेरिका के नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि गाड़ियों के विंडशील्ड वाइपर में खराबी को ठीक करने के लिए कंपनी ने यह रिकॉल की है।

ऑटो सेफ्टी रेगुलेटर ने कहा, एस्सेसिव वोल्टेज सप्लाई के चलते फ्रंट विंडशील्ड वाइपर मोटर कंट्रोलर फेल हो सकता है। कंपनी की सर्विस टीम वाइपर मोटर को बदलेगी और खराब गड़ियों में प्रेशर सेंसिटीव टेप लगाएगी या मिसिंग ट्रीम को फ्री में रिप्लेस करेगी।

यह चौथा मौका जब साइबर ट्रक को वापस बुलाना पड़ा

विंडशील्ड वाइपर में खराबी के चलते विजिबलिटी कम हो सकती है, जिससे दुर्घटना का खतरा बन जाता है। इस इलेक्ट्रिक कार के मैन्यूफैक्चरिंग में आने के बाद से यह चौथा मौका है, जब इसे वापस बुलाना पड़ा है। टेस्ला ने पिछले साल दिसंबर में साइबर ट्रक को पहली बार कस्टमर के हवाले किया था।

टेस्ला ने 11,383 पीकअप ट्रकों को भी वापस मंगाया

इसके अलावा ईवी मेकर ने 11,383 पीकअप ट्रकों को भी वापस मंगाया है। इन ट्रकों के ट्रंक बेड में ट्रिम को गलत तरीके से अटैच किया गया था, जो संभवतः ढीला हो गया है। यह पीछे के दूसरे वाहन चालकों के लिए सड़क पर खतरा पैदा कर सकता था। इससे पहले कंपनी ने अप्रैल में लगभग 4,000 साइबरट्रकों को वापस बुलाया था। तब इन गाड़ियों के एक्सेलरेटर पैड को रिपेयर किया गया था। इनके ढीला होकर इंटरनल ट्रिम में फंसने का खतरा था।

इन्फ्रा प्रॉजेक्ट की फंडिंग के लिए आगे आया एसबीआई बॉन्ड जारी करके जुटाए 10,000 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक ने शेयर मार्केट को बताया कि उसने बॉन्ड जारी करके 10,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। यह राशि बैंक ने इन्फ्रा प्रोजेक्ट को फंडिंग करके जुटाए हैं। बैंक ने यह फंड 7.36 फीसदी की कूपन रेट पर जुटाया है।

निवेशकों से मिली अच्छी प्रतिक्रिया

एसबीआई ने शेयर बाजार को बताया कि इस फंडिंग के लिए उन्हें निवेशकों से काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। निवेशकों ने 19,884 करोड़ रुपये से अधिक की बोलियों लगाई है। इसका बेस इश्यू साइज 5,000 करोड़ रुपये है, जिसपर निवेशकों से चार गुना से ज्यादा अभिदान मिला है।

बॉन्ड को लेकर कुल 143 बोलियां लगाई गई हैं। यह बोलियों से विविधता के साथ व्यापक भागीदारी का संकेत देती है।

एसबीआई ने बताया कि निवेशक भविष्य निधि, पेंशन फंड, बीमा कंपनियां, म्यूचुअल फंड, कॉरपोरेट्स आदि से थे। बैंक ने कहा कि इस बॉन्ड के जरिये होने वाली इनकम का इस्तेमाल इन्फ्रा और किफायती आवास के लिए किया जाएगा। इसके अलावा दीर्घकालिक संसाधनों को बढ़ाने के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जाएगा।

एसबीआई ने नियामक फाइलिंग में कहा कि निवेशकों से मिलने वाली प्रतिक्रिया के आधार पर बैंक ने सालाना देय 7.36 प्रतिशत की कूपन रेट पर 10,000 करोड़ रुपये स्वीकार करने का निर्णय लिया है। यह संबंधित FBIL G-Sec par curve पर 21 बीपीएस के प्रसार का प्रतिनिधित्व करता है।

वर्तमान निर्गम के साथ बैंक द्वारा जारी कुल बकाया दीर्घकालिक बॉन्ड 49,718 करोड़ रुपये है। बैंक ने कहा कि यग निर्गम इसलिए भी जरूरी है क्योंकि लंबे टेन्योर से बैंक जुटाने में सफल रहा है।

एसबीआई के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा कि यह जारी करने से लॉन्ग-टर्म बॉन्ड कर्व को विकसित करने में बढ़ावा मिल रहा है और लंबे टेन्योर के लिए बॉन्ड जारी करने के लिए प्रेरित भी करता है।

यश बैंक ने एक झटके में निकाले 500 कर्मचारी

नई दिल्ली। प्राइवेट सेक्टर के यस बैंक को लेकर बड़ी खबर आई है. इस बैंक में बड़ी छंटनी की गई है और एक साथ 500 से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है. यही नहीं आने वाले दिनों में बैंक में और लोगों की छंटनी की भी संभावना है. बैंक की ओर से इस बड़ी छंटनी के पीछे कॉस्ट कटिंग के साथ ही तमाम अन्य कारण भी बताए गए हैं. आइए जानते हैं आखिर अचानक यस बैंक ने ये कदम क्यों उठाया?

छंटनी से कई सेक्शन के कर्मचारी प्रभावित

यश बैंक ने जिन 500 कर्मचारियों को नौकरी से बाहर का रास्ता दिखाया है, उन सभी कर्मचारियों को 3 महीने के वेतन के बराबर राशि दी गई है. बिजनेस टुडे पर छपी ईटी की रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है कि आने वाले महीनों में और छंटनी का अगला दौर देखने को मिल सकता है और बैंक की लिस्ट में कई नाम शामिल हैं. कथित तौर पर ङ्कद्गह्य क्द्गठ्ठद्म लेऑफ से कई सेक्शन प्रभावित हुए हैं और इनमें होलसेल से लेकर रिटेन यूनिट तक शामिल है.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यस बैंक में की गई ये छंटनी दरअसल, यश बैंक के रिस्ट्रक्चरिंग प्रोसेस के तहत की गई है और इसके पीछे कॉस्ट कटिंग का हवाला दिया गया है. बैंक डिजिटल बैंकिंग की ओर झुकाव पर फोकस करना चाहता है। इसके साथ ही मैन्युअल वर्क मेंकटौती करनेका इरादा है। एक सूत्र नेकहा कि चल रही रीस्ट्रक्चरिंग प्रोसेस सेबैंक को अपने ऑपरेशनल खर्चों मेंकटौती करनेमेंभी मदद मिलेगी।

यश बैंक मैनुअल वर्क में कटौती करते हुए लगातार अपनी डिजिटल बैंकिंग पर फोकस कर रहा है और ये इस छंटनी का एक बड़ा कारण बताया गया है. रिपोर्ट में सोर्स के बैंक के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया है कि बैंक में चल रहे इस रिस्ट्रक्चरिंग प्रोसेस से ऑपरेशनल खर्चों में कमी लाने में मदद मिलेगी. उन्होंने कहा कि एक मजबूत भविष्य के लिए तैयार संगठन बनने के हमारे प्रयास में वर्कफोर्स को अपने अनुकूल बनाने के लिए हैं. हम ग्राहकों को सर्वोत्तम बैंकिंग सेवाएं प्रोवाइड कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के लिए किया जा रहा है टेमोफोस व पायरेथ्रम दवा का छिड़काव

ग्वालियर। जिले में डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया एवं मच्छरजनित अन्य बीमारियों से बचाव के लिए अभियान बतौर प्रयास करने के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने दिए हैं। इस परिपालन में ग्वालियर शहर के सभी 66 वार्डों में मच्छरों का लार्वा समाप्त करने और डेंगू-मलेरिया इत्यादि मच्छरजनित बीमारियों के सर्वे व लार्वा नष्ट कराने के लिये 40 टीमें लगाई गई हैं। इसी तरह ग्रामीण अंचल में स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता व आशा कार्यकर्ताओं द्वारा सर्वे के साथ-साथ रेपिड किट द्वारा जाँच की जा रही है। जिले में त्वरित कार्रवाई के लिए जिला व विकासखंड स्तर पर रेपिड रिस्पोंस सह काम्बेट टीम भी गठित की गई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के लिए विभिन्न क्षेत्र एवं संभावित संवेदनशील क्षेत्र के 400 मीटर के दायरे में टेमोफोस

स्थानों पर टेमोफोस का छिड़काव प्रमुखता से किया जा रहा है। पूर्व के अनुभवों के आधार पर डेंगू प्रभावित व पायरेथ्रम दवा स्प्रे का छिड़काव विशेष तौर पर शुरू किया गया है। डेंगू दृ मलेरिया नियंत्रण कार्य में नगर निगम के सहयोग से भी संवेदनशील क्षेत्रों में फॉगिंग कराई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डेंगू-मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम के तहत अभियान बतौर घरों में जाकर पानी के कंटेनरों इत्यादि की विशेष तौर पर जाँच की जा रही है। जिले में 1422 घरों के 1581 कंटेनरों इत्यादि में मच्छर के लार्वा नष्ट कराए गए हैं। साथ ही जिले भर में एक लाख 35 हजार 637 व्यक्तियों की मलेरिया की जाँच की गई। जिनमें पाँच पॉजिटिव केस पाए गए। जिले में अभी तक 2262 बुखार पीड़ित रोगियों की जाँच में 116 पॉजिटिव डेंगू मरीज पाए गए, जो सभी उपचार से ठीक हो गए हैं। मलेरिया नियंत्रण के लिए भारत सरकार से प्राप्त मच्छरदानी का वितरण भी ग्रामीण क्षेत्र व मलिन बस्तियों में किया गया है।

दहेज हत्या का आरोपी दबोचा

ग्वलियर। दहेज हत्या के आरोपी बबलू पुत्र महेन्द्र आदिवासी निवासी रायपुर कला को बुधवार की सुबह पनिहार थाना पुलिस ने उसके घर से दबोच लिया है। टीआई पनिहार धवल सिंह चौहान ने बताया कि 31 मई को थाना क्षेत्र के रायपुर कला निवासी सालू पत्नी बबलू आदिवासी ने अपने घर के पास पेड़ से लटककर फांसी लगाकर जान दी थी। मामले की जांच की तो पता चला कि मृतका का पति बबलू आदिवासी उसे दहेज की मांग को लेकर मारपीट कर प्रताडित करता था। जिससे तंग आकर उसने जान दी थी। बीते रोज जांच के बाद मामला दर्ज किया था। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को आज सुबह उसके घर से दबोच लिया। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ में जुट गई है।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

ग्वालियर। बिलौआ नगर के 40 युवाओं के नेतृत्व में कस्बे के गंजी वाला हनुमान मंदिर पर श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा आयोजन स्थल से पवित्र जलस्त्रोत से जल भरने के साथ शुरू हुई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में पीले वस्त्र धारण कर महिला श्रद्धालु शामिल हुई।

कलश यात्रा काली माता मंदिर से मां काली की विधि विधान से पूजा अर्चना के बाद शुरू हुई। कलश यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए कथा स्थल पर पहुंची। जहां श्रीमद् भागवत कथा में कथाव्यास विदुषी लक्ष्मी जी वृंदावन धाम ने उपस्थित श्रद्धालुओं को इसकी महिमा से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि विश्व में सभी कथाओं में ये श्रेष्ठ मानी गई है। जिस स्थान पर इस कथा का आयोजन होता है, वो तीर्थ स्थल कहलाता है। इसका सुनने एवं आयोजन कराने का सौभाग्य भी प्रभु प्रेमियां को ही मिलता है। ऐसे में अगर कोई दूसरा अन्य भी इसे गलती से भी श्रवण कर लेता है, तो भी वो कई पापों से मुक्ति पा लेता है। इसलिए सात दिन तक चलने वाली इस पवित्र कथा को श्रवण करके अपने जीवन को सुधारने का मौका हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। लक्ष्मी जी ने बताया कि इस कथा को सबसे पहले अभिमन्यु के बेटे राजा परीक्षित ने सुना था, जिसके प्रभाव से उसके अंदर तक्षक नामक नाग के काटने से होने वाली मृत्यु का भय दूर हुआ और उसने मोक्ष को प्राप्त किया था। श्रीमद् भागवत कथा में परीक्षित गंजी वाले हनुमान जी महाराज को बनाया गया है।

जेएएच अधीक्षक डॉ. सक्सेना को भेंट किया संविधान, कहा-हमारे अधिकारों की रक्षा आपके हाथ

ग्वालियर। म.प्र. अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ (अजाक्स) के प्रांतीय महासचिव (प्रशासन) एड. अतर सिंह जाटव के साथ कर्मचारी संगठन के नेताओं ने जयारोग्य चिकित्सालय के नवागत संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक डॉ. सुधीर सक्सेना से उनके कार्यालय में सौजन्य भेंट कर कर्मचारियों से संबंधित विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा की। इस अवसर पर कर्मचारी नेताओं ने भारतीय संविधान को भेंट करते हुए अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सहयोग का अनुरोध किया। इससे पहले एड. अतर सिंह व अन्य कर्मचारियों ने जेएएच अधीक्षक को पुष्पगुच्छएवं तुलसी का पौधा देकर उनका आत्मीय स्वागत किया। इस मौके पर डॉ. एमएल माहौर, डॉ. बालेन शर्मा, कामता प्रसाद मरैया, गौरव

कुशवाह, नरेन्द्र गहलोत, नरेन्द्र राठौर, सुनील, ओमप्रकाश शाक्य, राकेश गौड़, हैरी धाकड़, पवन कौशल, गोपाल भोंसले, एनिथ, गोविंद, इकबाल, विवेक धाकड़, शंकर, बंटी, विशाल, भास्कर, शेखर, सोनू, गोविंद, मुनेंद्र, हेमंत, कमल आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री उत्कृष्टता महाविद्यालयों में रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2024-25 से होंगे शुरू

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत समस्त 55 जिलों में प्रधानमंत्री उत्कृष्टता महाविद्यालयों में कौशल आधारित रोजगारोन्मुखी एवं नवीन पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2024-25 प्रारंभ किए जायेंगे। इसके अनुसार समस्त प्रधानमंत्री उत्कृष्टता महाविद्यालयों में आई.आई.टी. दिल्ली के सहयोग से आधुनिकतम आई.टी. पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जायेंगे। समस्त प्रधानमंत्री उत्कृष्टता महाविद्यालयों में बीएड पाठ्यक्रम संचालित होंगे। रोजगार आधारित डिग्री/डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रधानमंत्री उत्कृष्टता महाविद्यालयों एवं सभी सामान्य (शास.) विश्वविद्यालयों में प्रारंभ होंगे। वर्तमान में उज्जैन, जबलपुर एवं भोपाल स्थित शासकीय विश्वविद्यालयों में बीएससी (एजी) पाठ्यक्रम संचालित हैं, ये पाठ्यक्रम प्रदेश के शेष सामान्य (शासकीय) महाविद्यालयों में और शासकीय स्वशासी महाविद्यालयों में भी प्रारंभ किया जाएगा। विमानन संबंधी पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर त्वरित कार्रवाई किए जाने को कहा गया है, इससे ये पाठ्यक्रम अकादमिक सत्र 2024-25 से प्रारंभ होना संभव हो सके।

प्रदेश के समस्त 55 जिलों में प्रधानमंत्री उत्कृष्टता महाविद्यालयों के शुभारंभ कार्यक्रम 1 जुलाई को आयोजित किए जाएंगे। उक्त कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए हैं। इसके अनुसार महाविद्यालयों में 1 जुलाई के पूर्व भवन की मरम्मत, साफ-सफाई, रंगाई पुताई आदि कार्य करने होंगे। हिन्दी ग्रंथ अकादमी का काउंटर/पुस्तक विक्रय केन्द्र, भारतीय ज्ञान परंपरा का केन्द्र, विवेकानंद संसाधन केन्द्र के कार्यों का कैलेंडर, नवीन पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश तथा पठन-पाठन की तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा गया है।

राहुल गांधी के नेता प्रतिपक्ष बनने पर कांग्रेसियों ने मनाया जश्न

ग्वालियर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने पर कांग्रेसजनों में खुशी और हर्ष का माहौल है। शहर कांगेस अध्यक्ष डॉ देवेन्द्र शर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष वीर सिंह तोमर एवं ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष प्रभूदयाल जौहरे के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने कांग्रेस भवन शिंदे की छावनी एवं शहर में अनेक स्थानों पर मिठाई खिलाकर एक दूसरे को बधाई दी।

कांग्रेसजनों ने कहा कि राहुल गांधी के लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने से विपक्ष को एक मजबूत नेतृत्व मिलेगा। राहुल जी लोकसभा में सत्ता पक्ष की मनमानी को रोककर देश की जनता को उसकी मूलभूत सुविधायें दिलाए जाने के लिए जनता की आवाज को प्रमुखता से रखेंगे। इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता राम पांडे, सफाई कामगार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष जयराज सिंह, सरमन सिंह राय, नीरज यादव, अनूप शिवहरे, संजीव दीक्षित, फ्शिरमेन कांग्रेस के राकेश बाथम, गिर्राज चंदोरिया सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित थे।

अजय चानना को प्रमोशन, एसटीएफमें पदस्थ किए गए

ग्वालियर। ग्वालियर में लंबे समय तक सब इंस्पेक्टर से इंसपेक्टर तक रह चुके अजय चानना को अब प्रमोशन के बाद ग्वालियर एसटीएफमें पदस्थ किया गया है। देवास में नगर निरीक्षक रहते चानना को डीएसपी के रूप में प्रमोट किया गया है। एसटीएफसंगठित अपराध के खिलाफएक्शन लेती है और ग्वालियर एसटीएफमें 36 पुलिस अफसरों-जवानों की पदस्थापना है। अजय चानना ग्वालियर में भी कई थानों का प्रभार संभाल चुके हैं और ग्वालियर में पदस्थ रहते हुए उन्होंने कई डकैतों का सफाया भी किया। बदमाशों और अपराधियों के खिलाफउनका मजबूत नेटवर्क उनकी पहचान है।

लायन अनुपम तिवारी बने रीजन चेयरपर्सन

ग्वालियर। लायंस क्लब इंटरनेशनल के प्रांत 2024 25 के प्रांत 3233 ई 1 के प्रांत पाल लायन सुनील अरोड़ा ने लायंस क्लब ग्वालियर के पूर्व अध्यक्ष लायन अनुपम तिवारी को रीजन 17 जिसका नाम कान्हा है उसका रीजन चेयरपर्सन नियुक्त किया है। यहां बता दें कि लायन अनुपम तिवारी लायंस क्लब ग्वालियर के पूर्व अध्यक्ष हैं और अपने अध्यक्ष कार्यकाल में 386 सेवा गतिविधि करके नया कीर्तिमान स्थापित कर चुके हैं। पूर्व प्रांतपाल लायन जीएल भोजवानी ने पूर्व प्रांतपाल लायन जीडी लडढा, पूर्व प्रांतपाल लायन सुनील गोयल ने श्री तिवारी को बधाईयां प्रेषित की है।

थिक वैब स्विच पॉइंट मशीन के माध्यम से आधारभूत उच्चीकरण

झांसी। मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर नरेन्द्र सिंह एवं वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) आशुतोष चौरसिया के नेत्रित्व में झाँसी मंडल के रेलवे ट्रैक पर (थिक वेब स्विच) पॉइंट मशीन लगाने का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है (थिक वैब स्विच) के लगने पर ट्रेनों की गति के साथ सुरक्षा बढ़ेगी । पटरियों में ट्रेनों की दिशा बदलने के लिए टर्न आउट लगे होते हैं, अभी तक उसमें परंपरागत स्विच का प्रयोग होता रहा है। लेकिन अब थिक वैब स्विच लगाने का काम तेजी से चल रहा है। थिक वैब स्विच लगाने का मुख्य उद्देश्य ट्रेनों को 130 किमी प्रति घंटे की स्पीड तक ले जाना है, जिसे भविष्य में 160 किमी प्रति घंटे तक बढ़ाया जा सकेगा। इसके अलावा इससे लूप लाइन में भी ट्रेनों की गति 30 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 50 किमी प्रति घंटे हो सकेगी। इसके साथ ही ट्रेनों के सञ्चालन के दौरान इस नई तकनीकी के प्रयोग से कंपन भी कम होता है उल्लेखनीय है की गत वित्तीय वर्ष में झाँसी मंडल में विभिन्न रेल यार्ड तथा टर्न आउट लोकेशनों में कुल 199 (थिक वैब स्विच) लगाये गये थे ,और वर्तमान वित्तीय वर्ष में मई 2024 तक 76(थिक वैब स्विच) लगाए जा चुके हैं (थिक वैब स्विच) ट्रैक की सुरक्षा को मजबूत बनाने के साथ साथ उसकी लाइफ को भी बढ़ाता है इस नई तकनीक के प्रयोग से टर्न आउट समबन्धित फेलियर न के बराबर रह जाते है, साथ ही साथ इस पर अनुरक्षण व्यय भी पहले की तुलना में कम आता है संरक्षा की दृष्टि से यह आधुनिकतम प्रणाली अत्त्यधिक विश्वशनीय पायी गई है, जो की शुरुवाती गति बढाने में सहयोगी साबित होता है।

शासकीय सेवकों को कार्यालयीन समय पर उपस्थित होने के कलेक्टर ने दिये निर्देश

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने जिले के सभी शासकीय सेवकों को निर्देशित किया है कि वे राज्य शासन द्वारा निर्धारित कार्यालयीन समय पर प्रतिदिन कार्यालय में उपस्थित रहें। ज्ञात रहे कि राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी परिपत्र के माध्यम से सम्पूर्ण प्रदेश के समस्त शासकीय कार्यालयों का कार्यालयीन समय प्रातः 10 बजे से शाम 6 बजे तक नियत किया गया है। निर्देशानुसार सभी शासकीय कर्मियों से यह अपेक्षा की गई है कि प्रतिदिन कार्यालय प्रारम्भ होने के निर्धारित समय प्रातः 10 बजे कार्यालय में उपस्थिति सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने समस्त जिला अधिकारियों, कार्यालय प्रमुखों को उक्त निर्देश का अपने अधीनस्थों से भी पालन सुनिश्चित करने को कहा है।

वीवो मोबाइल सर्विस सेंटर अनूपपुर से 05 मोबाइल बेग सहित चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र सिंह पंवार के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी एवं एसडीओपी सुमित केरकेट्टा के मार्गदर्शन में कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा वीवो सर्विस सेंटर से बैग सहित पांच मोबाइल (कुल कीमती 60000) रुपए चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

दिनांक 25.06.2024 को अनूपपुर में गणेश टॉकीज के पास वीवो मोबाइल सर्विस सेंटर के संचालक शिवम कुमार सोनी पिता राजू प्रसाद सोनी उम्र करीब 22 साल निवासी चचाई के द्वारा थाना कोतवाली अनूपपुर में रिपोर्ट की गई कि सर्विस सेंटर से एक बैग में रखे हुए पांच वीवो कंपनी के स्मार्टफोन किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया है, जिनकी रिपोर्ट पर थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 325 /24 धारा 379 भारतीय दंड विधान पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना की गई। टी.आई.कोतवाली अरविंद जैन के साथ प्रधान आरक्षक राजकुमार साहू एवं आरक्षक पूर्णानंद मिश्रा के द्वारा घटनास्थल के आसपास लगे सी.सी.टी.वी. कैमरे एवं आसपास के लोगों से पूछताछ कर पतासाजी करते हुए अज्ञात आरोपी का पता कर शनि बैगा पिता स्वर्गीय चमरू बेगा उम्र करीब 48 साल निवासी ग्राम सकरा अनूपपुर के कब्जे से चोरी किये गए पांच वीवो कंपनी के स्मार्टफोन बैग सहित बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

बाल भारती पब्लिक स्कूल जैतहरी में आयोजित किया गया नशा मुक्ति एवं यातायात जागरूकता कार्यक्रम

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह पंवार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंन्सूरी निर्देश अनुसार पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत आज जिला परिवहन अधिकारी अनूपपुर सुरेंद्र सिंह गौतम एवं यातायात प्रभारी अनूपपुर ज्योति दुबे द्वारा बाल भारती पब्लिक स्कूल जैतहरी में छात्र-छात्राओं के बीच, जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से बच्चों के बीच चर्चा की गई। नशा एक ऐसी बुराई है ,जिसकी पहुंच बहुत व्यापक है, समाज का हर तीसरा व्यक्ति इससे प्रभावित है। प्रत्येक वर्ष हजारों की संख्या में लोग नशीले पदार्थों से होने वाली बीमारियों के कारण मृत्यु के मुंह में जा रहे हैं। समाज की इस बुराई को दूर करने में हम सभी मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, हमें स्वयं तो इन बुराइयों से दूर रहना ही है, साथ ही हमारे समाज और परिवार को भी इन बुराइयों से बचाना है, क्योंकि समाज में व्याप्त यह बुराइयाँ समाज को खोखला कर रही है, नशीले पदार्थों के सेवन से, पारिवारिक कलह, विवाद, अपराध, परिवारों का टूटना, आर्थिक तंगी एवं अनेक जानलेवा बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं। हमें इनसे दूर रहना है।

नशा मुक्त परिवार से करनी होगी शुरुआत

आओ आज, विश्व नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर हम सभी सकल्पित होकर यह प्रण लें कि हम नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहेंगे तथा आसपास के लोगों को भी इनसे दूर रहने हेतु प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम मे बच्चों को ट्रैफिक रूल्स के बारे में भी बताया गया। यातायात नियमों के प्रति भी बच्चों को जागरुक करते हुए बताया गया कि हम सभी को दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट एवं चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट आवश्यक रूप से धारण करना चाहिए, बच्चों को ट्रैफिक सिग्नल, रोड साइन, रोड मार्किंग, एक्सीडेंट के कारण, एवं बचाव हेतु सावधानी, राइट ऑफ वे, एमरजेंसी केयर, गुड समेरिटन योजना, पीड़ित प्रतिकर योजना के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। रोड पर पैदल चलते समय या रोड क्रॉस करते समय क्या-क्या सावधानियां रखनी चाहिए बताया गया। सुरेंद्र सिंह गौतम जिला परिवहन अधिकारी अनूपपुर द्वारा बच्चों को लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया के विषय में विस्तार से बताए गए। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र एवं छात्राएं, प्राचार्य उन्नति जोशी विद्यालय के शिक्षक एवं थाना यातायात से आरक्षक गणेश यादव उपस्थित रहे।

निर्माणाधीन रेलवे फ्लाईओवर ब्रिज के सुरक्षा मानकों को किया जा रहा अनदेखा, कभी भी हो सकती है बड़ी दुर्घटना, कलेक्टर लें संज्ञान

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। विगत 4 वर्षों से निर्माणाधीन रेलवे फ्लाईओवर ब्रिज में इन दोनों रेलवे के ठेकेदार के द्वारा कार्य कराया जा रहा है। उनके द्वारा सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है, जहां पर पिलर खड़ा किया जा रहा है वहां पर किसी तरह का कोई सुरक्षा घेरा नहीं बनाया गया है पानी भरा है, बरसात होने के कारण गड्ढे के चारों तरफ की मिट्टी धंसक रही है। कभी भी कोई उस गड्ढे में गिरकर इंसान या जानवर दुर्घटनाग्रस्त हो सकता है या जान भी जा सकती है। कलेक्टर को चाहिए कि तत्काल इस पर संज्ञान लेते हुए रेलवे के अधिकारी, ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए निर्देशित किया जाए के गड्ढे के आसपास सुरक्षा घेरा बनाया जाए जिस से किसी भीड़ तरह की होने वाली दुर्घटना से बचा जा सके।

आपको यह भी बताते चलें कि जब मध्य प्रदेश शासन के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने फ्लाईओवर ब्रिज के निर्माण में हो रही देरी के चलते स्थल निरीक्षण किया था तो रेलवे के ठेकेदार एवं रेलवे के इंजीनियरों के द्वारा यह कहा गया था कि जून तक पिलर खड़ा हो जाएगा, मगर अब जून खत्म होने को है पिलर खड़ा नहीं हो पाया है। मंत्री जी से भी अपेक्षा है एक बार पुनः जा करें फ्लाईओवर ब्रिज का फिर से मैका मुआयना करे कि ठेकेदार/ रेलवे के अधिकारियों द्वारा कही गई बातों पर कितनी सच्चाई है।

शहर में अब तक 2625 ई-रिक्शाओं का हुआ पंजीयन

ग्वालियर। शहर में आधा दर्जन स्थानों पर नाके सह शिविर लगाकर ई-रिक्शा का पंजीयन किया जा रहा है। चार दिन के भीतर 2625 ई-रिक्शा पंजीकृत किए जा चुके हैं। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम व सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से ई-रिक्शा के रूट निर्धारित किए जायेंगे। इसी सिलसिले में ई-रिक्शों का पंजीयन किया जा रहा है। पंजीयन के चौथे दिन सायंकाल 5 बजे तक 576 ई-रिक्शा का पंजीयन किया गया।

ज्ञात हो गत 23 जून से शहर में आधा दर्जन स्थानों पर नाके सह शिविर लगाकर ई-रिक्शा का पंजीयन शुरू किया गया था। इन स्थलों पर पंजीयन का काम 29 जून तक किया जायेगा। स्मार्ट सिटी के कंट्रोल एण्ड कमाण्ड सेंटर से प्राप्त जानकारी के अनुसार पंजीयन के चौथे दिन यानि 26 जून को हजीरा क्षेत्र में स्थापित किए गए नाका सह शिविर में 115 ई-रिक्शा का पंजीयन किया गया। इसी तरह बारादरी पर 90, गोला का मंदिर पर 75, फूलबाग चौराहे पर 92, महाराज बाड़ा पर 118 एवं आमखो पर स्थापित किए गए नाका सह शिविर में 86 ई-रिक्शों का पंजीयन किया गया। चारों दिनों के पंजीयन को मिलाकर हजीरा क्षेत्र में स्थापित नाके पर 493, बारादरी में 360, गोला का मंदिर में 532, फूलबाग में 320, महाराज बाड़ा में 516 एवं आमखो क्षेत्र में स्थापित किए गए नाका सह शिविर में अब तक 404 ई-रिक्शा का पंजीयन किया जा चुका है।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार की मदद के लिए सरकार से की मांग

आगरा। ग्राम रूपधुन में पुलिस उत्पीड़न से परेशान होकर दो सगे भाइयों द्वारा की गई आत्महत्या के संबंध में शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल शाम 5:00 बजे पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचा , मुलाकात करते समय कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार को भरोसा दिलाया कि इस संकट के समय पुरी कांग्रेस पार्टी आपके साथ है । प्रतिनिधिमण्डल ने परिवार को पूरा भरोसा दिलाया कि इस दुख की घड़ी में शीर्ष नेतृत्व तक सब आपके साथ है । मुलाकात के बाद कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल ने सरकार से मांग की कि कम से कम पीड़ित परिवार के दो सदस्यों को सरकारी नौकरी दी जाए एवं पीड़ित परिवार को एक 50 - 50 लाखरुपए मदद की जाए एवं दोषी दरोगा के खिलाफ 302 का मुकदमा दर्ज करके समस्त थाने के खिलाफ कार्रवाई की जाए जिससे परिवार को न्याय मिल सके एवं आम जनता में व्याप्त पुलिसिया ख़ौफ से भय एवं अराजकता को खत्म किया जा सके जिससे लोगों के मनमें क़ानून के प्रति उत्तर प्रदेश में भरोसा जाग सके । कांग्रेस पार्टी ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि उत्तर प्रदेश में पुलिस का अपराध लगातार बढ़ता जा रहा है उत्तर प्रदेश में अपराधी बेख़ौफ़ हो रहा है इसको तत्काल प्रभाव से रोका जाए अन्यथा कांग्रेस पार्टी को उग्र आंदोलन करना पड़ेगा मुख्य रूप से बुराहन शमसी अजहर वारसी अनुज शिवहरे दीपक शर्मा चौधरी सचिन यादव हबीब कुरैशी बिल्लू चौहान बशीर रॉकी अंशुल अग्रवाल रमेश पहलवान अश्वनी बिट्टू अभय सिंह अंकुर गर्ग मोबीन अख्तर समीर खान, महबूब खान, नीरज कुमार, शुभम कुमार सोहेल कुरेशी अश्वनी कुमार बबलू चौधरी,धर्मेंद्र सिंह आदि लोग मौजूद रहें।

नगर परिषद बरगवां वार्ड तीन की सड़क जर्जर, अध्यक्ष ने कलेक्टर, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। नगर परिषद बरगवां अमलाई पेपर मिल वार्ड क्रमांक 3 मुख्य मार्ग लंबे समय से पूरी तरह खस्ता हाल हो चुका है। इस सड़क का सबसे ज्यादा उपयोग अमलाई ओरिएंट पेपर मिल प्रबंधन द्वारा किया जाता है, जिससे सड़क में जानलेवा बड़े-बड़े गड्ढे होने से स्थानीय लोगों तथा वार्डवासियों को आवाजाही में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अभी बरसात के मौसम में दो से तीन फीट पानी भर जाता है पूरे वारिश में तीन माह तक आवागमन कि स्थिति भयावह रहती है,और भारी वाहन भी बड़ी संख्या में 24 घंटे इस मार्ग पर जाम लगाए खड़े रहते हैं, जिससे न परिषद क्षेत्र के लोगों को तकलीफ का सामना करना पड़ रहा है। नगर परिषद अध्यक्ष गीता गुप्ता, अभिषेक गुप्ता ने जिला कलेक्टर आशीष वशिष्ठ एवं एसडीएम दीपशिखा भगत से मिलकर ज्ञापन सौंपकर अतिशीघ्र पेपर मिल प्रबंधन को सड़क का निर्माण कराने की मांग की है। इसके पूर्व कई बार इस मुद्दे को लेकर अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन पेपर मिल प्रबंधन इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है, जिससे नगर परिषद के लोग काफी परेशान हैं। नगर परिषद अध्यक्ष गीता गुप्ता ने पेपर मिल प्रबंधन से भी कई बार सड़क निर्माण को लेकर मौखिक लिखित चर्चा की गई थी, लेकिन झूठा आश्वासन देकर मिल प्रबंधन गुमराह कर रहा है और सड़क बनाने को तैयार नहीं है। सड़क नहीं बनने से सबसे ज्यादा वार्ड नंबर तीन के नागरिकों को परेशानी उठानी पड़ रही है। कीचड़ युक्त तलाब जैसे इस मार्ग से निकलना टेढ़ी खीर से कम नहीं, नगर परिषद अध्यक्ष गीता गुप्ता ने कहा है कि यदि पेपर मिल प्रबंधन समय सीमा में वार्ड नंबर तीन की सड़क का निर्माण प्रारंभ नहीं किया गया तो वार्ड 03 के नागरिक जन आंदोलन के लिए अग्रसर होंगे।

-एसडीएम ने OPM मील प्रबंधन को कड़ी फटकार लगाते हुए जल्द कार्यवाही करने के दिए निर्देश

मानसून ने दी दस्तक, अंचल में हुई तेज बारिश, घरों में भरा पानी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। लंबे इंतजार के बाद अंचल में मानसून ने बुधवार को दस्तक दे दी। जिला मुख्यालय सहित अंबाह, पोरसा, जौरा, कैलारस, सबलगढ़ में कहीं तेज बारिश हुई, कहीं रिमझिम फुहारें गिरीं। आधा से एक घंटे की बारिश में जिलेभर में 8 मिमी बारिश दर्ज की गई। जिससे दोपहर 2 बजे जो पारा 44 डिग्री पर था, वह बारिश होते ही छह डिग्री लुढ़ककर 38 पर आ गया। पहली ही बारिश राहत के साथ आफत लेकर भी आई। एक ओर जहां खेत-खलिहानों में बारिश के पानी से नमी आ गई और किसानों ने बोवनी की तैयारियां शुरू कर दी हैं। वहीं जिला मुख्यालय सहित कस्बों में चौक नाले-नालियां ओवरफ्लो हो गए। शहर में ही गंदा पानी लोगों के घरों में घुस गया।

बुधवार को सुबह से ही तेज गर्मी थी। दोपहर ढाई बजे तक तेज गर्मी के चलते अधिकतम पारा 44 डिग्री पर पहुंच गया था। उमस से लोग बेहाल थे और कूलर-पंखा की हवा में पसीना छूट रहा था। लेकिन शाम 3 बजे से अचानक मौसम बदला। काली घटाएं छाई और तेज आंधी चलने लगी। बानमोर कस्बे व हाईवे पर तेज आंधी से कई पेड़ उखड़ गए, इसके बाद बूंदाबांदी का दौर शुरू हुआ। इधर जिला मुख्यालय पर तेज हवा के साथ पारा लुढ़क गया। इसके बाद शाम 3.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक तेज बारिश हुईए जिससे पूरा शहर जलमग्न हो गया।

गली-मोहल्ले तो छोड़िए पॉश कॉलोनियों में घरों में घुसा पानी

पहली ही तेज बारिश ने नगर निगम की पोल खोलकर रख दी। गणेशपुरा, गोपालपुरा, इस्लामपुरा, सिग्नल बस्ती, अंबेडकर कॉलोनी, महावीरपुरा जैसी पुरानी बसाहटें तो छोड़िए शहर की पॉश कॉलोनियों में शुमार पुरानी हाउसिंग बोर्ड, न्यू हाउसिंग बोर्ड में गलियों में दो-दो फीट तक पानी जमा हो गया। न्यू हाउसिंग बोर्ड में तो लोगों के घरों के अंदर पानी घुस गया।

जिले में अब तक 28 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

मुरैना। मुरैना जिले में 01 जून से 26 जून, 2024 तक 28 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो गत वर्ष की तुलना में 100.2 मिलीमीटर वर्षा कम है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 128.2 मिलीमीटर औसत वर्षा हुई थी। जिले की औसत वर्षा 706.9 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख मुरैना सैयद मुज्जफर अली ने बताया कि जिले में 01 जून से 26 जून तक सर्वाधिक 70 मिलीमीटर वर्षा जौरा में दर्ज की गई है। पोरसा में 30, मुरैना में 22.4, अम्बाह में 19, कैलारस में 14 और सबलगढ़ तहसील में सबसे कम 12.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। 26 जून, बुधवार को सर्वाधिक 11 मिलीमीटर वर्षा जौरा में दर्ज की गई है। सबलगढ़ में 3और कैलारस में 2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

पोरसा में बारिश, गलियों में भरा पानी

पोरसा। बुधवार को दोपहर 2 बजे से 3 बजे तक हल्की बारिश हुई, जिस कारण नगर की अधिकतर गलियों में पानी निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण नगर के हर मोहल्ले में पानी भर गया। जिस कारण नगर वासियों के सामने बड़ा संकट आगे आता हुआ दिख रहा है। नाले-नालियों की सफाई अप्रैल माह में हो जानी चाहिए थी, जो नहीं हुई। इस कारण अधिकतर नाले-नालिया चौंक पड़े हुए हैं। पानी की समुचित निकासी की व्यवस्था न होने के कारण इसका खामियाजा नगरवासियों को भुगतना पड़ रहा है। आज बरसात की पहली बारिश है। आगे और डरावनी स्थिति पैदा होगी।

कैमराकलां में पीएम जन-मन योजना के तहत 132 लोगों को मिला लाभ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। प्रभारी कलेक्टर डॉ. इच्छित गढ़पाले के निर्देश पर सबलगढ़ विकासखण्ड की ग्राम पंचायत कैमराकलां में पीएम जन-मन योजना के तहत सहरिया परिवारों के लिय कैम्प बुधवार को लगाया। कैम्प में 132 लोगों को विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित किया। जिसमें जाति प्रमाण के 55, ई-केवायसी के 52, आधार कार्ड के 15, समग्र अपडेट के 12 और पीएम किसान के 10 लोगों को लाभान्वित किया। शिविर में जनपद सीईओ सबलगढ़ आरके गौड़, नायब तहसीलदार श्रीमती रानी बघेल उपस्थित थीं।

बंगाली कॉलोनी में शासकीय भूमि पर बने मकान को तोड़ा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। मुरैना जनपद पंचायत के ग्राम नूराबाद के समीप बंगाली कॉलोनी में असगर पुत्र मेहरबान खान, जब्बार खान पुत्र मेहरान खान और इकरार पुत्र जब्बार खान का मकान शासकीय भूमि पर बना हुआ था। इन परिवार को जिला प्रशासन द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने के आरोप में नोटिस जारी किया गया था। इनके द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया। इसके बाद जिला प्रशासन ने उन्हें 24 तारीख तक शासकीय भूमि को खाली करने का नोटिस दिया, किंतु इन तीनों व्यक्तियों ने शासकीय भूमि को खाली नहीं किया। इस पर जिला प्रशासन ने पुलिस के सहयोग से बुधवार 26 जून 2024 को उस मकानों को जमीन डोज कर दिया है।

एनयूएलएम योजना अन्तर्गत सामुदायिक संगठकों का प्रशिक्षण सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत जिले के नगरी निकाय में कार्यरत् सामुदायिक संगठको सीईओ का डे एनयूएलएम के समस्त घटकों पर योजना अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम आज नगर निगम के टाउन हॉल कार्यालय में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के नगरी निकाय अम्बाह, पोरसा, बानमोर, जौरा, कैलारस, सबलगढ़, झुंडपुरा के सामुदायिक संगठन मौजूद रहे।

सभी सामुदायिक संगठनों को योजना के संबंध में विस्तार से जिला परियोजना प्रबंधक रहीम चौहान द्वारा जानकारी देते हुए समस्त पोर्टल एवं स्वरोजगार योजना के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया, साथ ही साथ समूह गठन एवं बैंक लिंकेज विषय पर भी सामुदायिक संगठक को जानकारी देते हुए बताया गया कि स्व सहायता समूह का गठन पंच सूत्र का पालन करते हुए करें प्रशिक्षण कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण देवेंद्र सिंह चौहान ने सभी सीओ से प्रशिक्षण के दौरान कहा कि डे एनयूएलएम योजना के लक्ष्य लक्ष्य समय पर पूर्ण करें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सामुदायिक संगठन सामुदायिक संगठन राधारानी बांदिल, नीलिमा श्रीवास्तव, अनुपमा बाजपेयी, गणेश बाथम, संगीता शर्मा, स्नेहा सिंघल, मयंक शर्मा, कपिल दुबे, आनंद परमार, विवेक पाराशर, सोनू शर्मा, बलवीर कुशवाहा, मनीषा प्रजापति सहित नगरी निकाय के कंप्यूटर ऑपरेटर भी प्रशिक्षण में मौजूद रहे।

धारा 307 के चार आरोपियों को अम्बाह पुलिस ने दबोचा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। फरियादी नाथूसिंह राठौर निवासी ग्राम नयापुरा द्वारा थाना अम्बाह पर आकर रिपोर्ट की गई कि दिनांक 24.06.24 की रात्रि करीबन 10 बजे वह अपने परिजनों के साथ प्लॉट की नींव भर रहा था, तभी गांव के ही 04 आरोपीगणों द्वारा वहां आकर प्लॉट की नींव भरने से फरियादी पक्ष को रोका गया एवं मारपीट, गाली-गलौच की गई तदोपरांत आरोपीगण द्वारा फरियादी पक्ष पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की गई जिससे फरियादी पक्ष के 04 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, फरियादी की उक्त रिपोर्ट पर से थाना अम्बाह पर अपराध क्रमांक 430/24 अंतर्गत धारा 307, 323, 294, 34 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान द्वारा उक्त अपराध की गंभीरता को देखते हुए एवं अपराध जघन्य प्रवृत्ति का होने से उक्त अपराध सदर के फरारशुदा आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तार करने हेतु निरीक्षक सतेन्द्र सिंह कुशवाह थाना प्रभारी अम्बाह को निर्देशित कर थाना अम्बाह स्तर पर दी गई। पुलिस के सक्रिय प्रयासों एवं कड़ी मेहनत मुशक्कत के फलस्वरूप थाना प्रभारी अम्बाह को मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि उक्त प्रकरण के फरारशुदा आरोपीगणों को नयापुरा गांव के आस-पास देखा गया है एवं आरोपीगण वहां से कहीं और भागने की फिराक में है। उक्त सूचना की तस्दीक हेतु थाना प्रभारी अम्बाह मय हमराह फोर्स मुखबिर द्वारा बताये स्थान पर जाकर दबिश दी गई तो आरोपीगण पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा, जिसे हमराह फोर्स की मदद से घेराबंदी कर पकड़ा एवं उक्त घटना के संबंध में हिकमतअमली से पूछताछ की गई तो उक्त चारों आरोपीगणों द्वारा अपना जुर्म किया गया। बाद आरोपीगण को गिरफ्तार कर आरोपीगण की निशानदेही में आरोपीगण के घर से उक्त अपराध में प्रयुक्त आलाजरर 12 बोर की लायसेंसी बंदूक जप्त की गई। उक्त लायसेंसी हथियार के शस्त्र निलंबन संबंधी कार्यवाही भी की जा रही है।

पीड़ित मानव की सेवा सबसे बड़ा धर्म : डॉ. परमार

डॉ. एसएन सुब्बाराव स्मृति समर कैंप का हुआ समापन, बच्चों ने ली आत्मरक्षा की सीख

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/जौरा। प्राणी मात्र पर दया करना और पीड़ित मानव की सेवा करना देश ही नहीं दुनिया का सबसे बड़ा धर्म है। हर धर्म प्राणी मात्र पर दया करना सिखाता है। प्यारे बच्चों आपको एक ही धर्म सीखना है वह है मानव बनना, आप पढ़-लिखकर अधिकारी बनेंगे, देश सेवा करेंगे, विभिन्न क्षेत्रों में जाएंगे आपको अपने कर्तव्य निर्वहन पर से पूजा पाठ और धार्मिक अनुष्ठान करने का समय नहीं मिलेगा, आपका सबसे बड़ा धर्म, दुनिया का सबसे बड़ा धर्म प्राणी मात्र पर दया करना और प्राणी मात्र की सेवा करना है। यह बात महात्मा गांधी सेवा आश्रम में आयोजित भाई जी डॉ. एसएन सुब्बाराव स्मृति समर कैंप के समापन समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. रन सिंह परमार ने कही। वे मुख्य अतिथि की आसंदी से बोल रहे थे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका जौरा के अध्यक्ष राजू अखिल माहेश्वरी ने की। इस अवसर पर एचएल ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के संस्थापक संरक्षक एलएन त्यागी, मंडल अध्यक्ष पंकज गुप्ता, जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य योगेंद्र सिंह, पत्रकार राजीव डेंटर और पत्रकार महेश प्रजापति, डॉ. आसाराम कुशवाहा, गोल्ड मेडलिस्ट ब्लैक बेल्ट राहुल गुप्ता, शीतल भाई जैन, केरल से आए हुए सीनी जॉर्ज जिम, जॉर्ज एचएल हायर सेकेंडरी स्कूल और एचएल बचपन स्कूल के बालक-बालिकाएं एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद थे। इस अवसर पर संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष राजू अखिल माहेश्वरी ने कहा कि खेल का जीवन में विशेष महत्व है। आप किसी भी खेल में उत्कृष्टता हासिल करेंगे तो यह आपके जीवन का विकास होगा और आपको जौरा ही नहीं प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर अपना और अपने परिवार का नाम रोशन करने का अवसर प्राप्त होगा। राहुल गुप्ता जी द्वारा सेल्फ डिफेंस के लिए जो एकेडमी चलाई जा रही है वह प्रशंसनीय है। बालक-बालिकाओं को आत्मरक्षा के गुरु सीखना चाहिए। इस अवसर पर बच्चों ने ताइक्वांडो में जो प्रशिक्षण प्राप्त किया उसकी कुछ झलकियां भी प्रस्तुत की। एचएल बचपन स्कूल और हाल हायर सेकेंडरी स्कूल के बालिकाओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की व्यवस्था महात्मा गांधी सेवा आश्रम के द्वारा की गई थी। इस अवसर पर समर कैंप में बच्चों को प्रशिक्षण दे रहे शिक्षक-शिक्षकों को डॉ. रन सिंह परमार सचिव महात्मा गांधी सेवा आश्रम जौरा द्वारा अंग वस्त्र भेंट कार सम्मानित किया गया। महात्मा गांधी सेवा आश्रम की तरफ से शीतल जैन लक्ष्मी शर्मा, संजय जादौन, आत्म समर्पित डाकू बहादुर सिंह रामबरन गुर्जर उपस्थित कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन मंडल अध्यक्ष पंकज गुप्ता द्वारा किया गया।

पहाड़गढ़ में पीएम जन-मन योजना के तहत कैम्प लगाया गया

मुरैना। प्रभारी कलेक्टर डॉ. इच्छित गढ़पाले ने 24 जून को टीएल बैठक में निर्देश दिये थे कि पीएम जन-मन योजना के तहत सहरिया परिवारों के आधार कार्ड, ई-केवायसी, जाति प्रमाण-पत्र, समग्र अपडेट और पीएम किसान के छूटे किसानों के तैयार करावें। इसके लिये भले ही मुख्यालय स्तर पर कैम्प लगवाये जायें। निर्देशों के तहत 26 जून बुधवार को पहाड़गढ़ मुख्यालय पर पीएम जन-मन योजना के तहत कैम्प लगाया गया। कैम्प में सहरिया परिवारों के 48 लोगों के आधार कार्ड, 25 लोगों की ई-केवायसी, 20 लोगों के जाति प्रमाण-पत्र बनाकर मौके पर हितग्राहियों को दिये।

सन्मति फाउंडेशन दिल्ली द्वारा मनोज जैन नायक सम्मानित

अभिनंदन पत्र, शॉल, स्मृति चिन्ह से किया बहुमान

मुरैना। जैन समाज के वरिष्ठ समाजसेवी मनोज जैन नायक का सन्मति फाउंडेशन परिवार द्वारा सम्मान किया गया। दिगंबर जैसवाल जैन उपरोचियां समाज की अग्रणी सेवा भावी संस्था सन्मति फाउंडेशन (रजिस्टर्ड) द्वारा आर्चिड ग्रैंड दिल्ली में आयोजित आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागर अवार्ड समारोह के दौरान मुरैना जैन समाज के वरिष्ठ समाजसेवी, कर्तव्यनिष्ठ, कलमकार मनोज जैन नायक गढ़ी वाले को समाजहित एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। मंच संचालिका श्रीमती नीरू जैन गणेशनगर ने मनोज नायक मुरैना का परिचय देते हुए कहा कि

सटीक सहज बातें और चेहरे पर मुस्कान,
ऐसे श्रेष्ठी वर्ग हैं हमारे कार्यक्रम की शान!
समाज की खबरों का देते हमें ज्ञान,
ऐसी शख्शियत का हृदय से सम्मान!!

मनोज नायक को दिए गए अभिनंदन पत्र का वाचन भारती जैन ने किया। सन्मति फाउंडेशन परिवार की ओर से संस्था के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र जैन मधुवन, महामंत्री नवीन जैन, सुदर्शन जैन बंटू मधुवन, अजीत जैन, योगेश जैन करोलबाग, पंकज जैन इंद्रापुरम, दिवस जैन अलंकार प्रकाशन, विनोद जैन, पारसमणि जैन, अश्वनी जैन ने शॉल, श्रीफल, माला, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सन्मति फाउंडेसन के वार्षिकोत्सव एवम प्रतिभाशाली बच्चों के अवार्ड वितरण समारोह में राज्यसभा सांसद नवीन जैन, इंजी. पवन जैन पीएस होटल शिवपुरी को मुख्य अथिति एवम मनोज जैन नायक को बतौर अथिति आमंत्रित किया गया था ।समारोह में मनोज नायक के सम्मानित होने पर सीए कमलेश जैन गुरुग्राम, इंजी. भूपेंद्र जैन ग्रीन पार्क, अंकित जैन अहिंसा प्रभावना, अजय जैन शिवपुरी, मुस्कान जैन, डॉ. मुकेश जैन ग्वालियर, शैलेश जैन दिल्ली सहित समाज के श्रेष्ठीवर्ग, मित्रों एवम शुभचिंतकों ने बधाई एवम शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं राजकरन पुत्र स्व. श्री सुल्तान सिंह निवासी ग्राम अखेपुरा पुलिस थाना दिमनी तह. व जिला मुरैना का निवासी होकर खेती-किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता हूँ। मैं निम्नलिखित आम सूचना संपादित कर रहा हूँ कि मेरे तीन लड़के मनीष, विजयप्रताप, सूरज एवं दो पुत्रियां आरती, भारती हैं। मेरे द्वारा दोनों पुत्रियों की शादी लगभग 14 वर्ष पूर्व कर दी गई है और मेरे पुत्र मनीष एवं विजयप्रताप की शादी वर्ष 21.05.2023 में मुरलीपुरा तह. बाह जिला आगरा उ.प्र. से की है। उक्त दोनों पुत्रों की शादी होने के बाद दोनों पुत्रों की पत्नी सगी बहिनें हैं, जो कि शादी के 40 दिन तक अपने ससुराल में रही है। उसके उपरांत वे अपने मायके में चली गईं। तत्पश्चात् दिनांक 03.06.2024 को मेरे पुत्रों द्वारा दोनों बहुओं को समझौता नामा दिनांक 31.05.2024 के आधार पर विदा कराकर अपने गृह ग्राम अखेपुरा लेकर आये, किन्तु उन दोनों बहुओं में कोई सुधार नहीं आया। आने के तुरंत बाद ही प्रार्थी एवं उसकी पत्नी एवं उसके अविवाहित पुत्र सूरज को गाली-गलौज कर अपमान करती रहती है। इस कारण मुझ प्रार्थी द्वारा अपने पुत्रों को उनका हिस्सा देकर परिवार आई.डी. एवं राशन कार्ड से नाम हटाकर पूर्णतः अलग कर दिया गया है। अब वो अपना अलग परिवार बसायें और सुखपूर्वक रहें, मुझे कोई भी परेशानी नहीं है। इसके पश्चात् अगर भविष्य में असत्य घटना दुर्घटना होती है तो मेरे दोनों पुत्र जिम्मेदार होंगें। हमारी कोई जवाबदारी नहीं होगी। आज आम सूचना दिनांक से मैंने अपने दोनों पुत्रों से अपने पारिवारिक संबंध खत्म कर अपनी जायदाद से बेदखल कर दिया है और भविष्य में कोई भी उनसे समव्यवहार करता है तो वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।

अतः यह आम सूचना मेरे द्वारा पूर्ण होश हवास में संपादित की जा रही है, जो वक्त जरूरत काम आवे।

दिनांकः- 26.06.2024

आम सूचनाकर्ता
राजकरन पुत्र स्व. श्री सुल्तान सिंह, निवासी-ग्राम अखेपुरा
पुलिस थाना दिमनी तह. व जिला मुरैना (म.प्र.)

द्वारा अभिभाषक
रामनिवास सिंह सिकरवार
ई.एन. 786/2006 एडवोकेट
मुरैना, मोबा. 9907635495

ग्रीष्मकालीन मूँग का उपार्जन 31 जुलाई तक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। ग्रीष्मकालीन मूँग का उपार्जन 24 जून से 31 जुलाई 2024 तक होना है। मूँग की खरीदी उन्हीं कृषको की जायेगी, जिनके रकवा का सत्यापन हो चुका है। रकवा सत्यापन तहसीलदार द्वारा किया जाना है। समस्त तहसीलदार किसान के पंजीकृत रकवा का सत्यापन शीघ्र करें।

नशामुक्ति दिवस पर डिप्टी कलेक्टर ने पीजी कॉलेज में नशा मुक्ति के लिए विद्यार्थियों को दिया संदेश

मुरैना। पीजी कॉलेज में 26 जून विश्व नशा निषेध दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि डिप्टी कलेक्टर दिव्या शर्मा रहीं और उन्होंने छात्र एवं छात्राओं को बड़ा संदेश दिया, नशा से दूर रहने की हिदायत दी। साथ ही उन्होंने समाज को नशा से दूर करने के लिए सभी काम करें। इसके ऊपर अन्य अधिकारी कर्मचारीगणों ने भी विचार रखें, जिसमें पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. किशोर अरोरा, डॉ. दिलीप कटारे, मेजर डॉ. राजवीर किरार, डॉ. गहलोत अन्य तमाम छात्र-छात्राओं ने यहां पर अपने विचार रखे। समाज में फैल रहे इस नशे को दूर करने के लिए संकल्प लिया और उन्होंने समझाइस देने के लिए अपने समय-समय पर अभियान चलाने के लिए संकल्प लिया। कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक न्याय विभाग मुरैना आयोजन किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2024 **//नामांतरण विज्ञप्ति (उज्जदारी)//** मुरैना, दिनांकः- 26.06.2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि म.प्र. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के तहत भूमि/भवन स्वामियों द्वारा सम्पत्ति कर पंजी में नामांतरण हेतु आवेदन विधिवत शुल्क जमा कर इस कार्यालय में निम्नानुसार प्रस्तुत किये गये हैं:-

क्र.	भूमि/भवन एवं वार्ड क्रमांक	भूमि/भवन क्रेता/ अन्तरणगृहीता स्वामी का नाम	भूमि/भवन विक्रेता/ अन्तरणकर्ता	नामांतरण /अन्तरण का आधार एवं क्षेत्रफल
1	भूमि/भवन वार्ड क्र. 2, बड़ोखर क्षेत्र. 575 हेक्टेयर	यादवेन्द्र कुमार पुत्र श्री श्रीधर शर्मा निवासी- पोलीटेक्निक कॉलेज के पीछे बड़ोखर मुरैना	नत्थीलाल पुत्र जोहरी लाल	विक्रय पत्र के आधार पर सर्वे क्र. कृषि भूमि खाता क्र. 481 के सर्वे क्र. 233
2	भ.क्र. 76/5 नया वार्ड 28	श्रीमती कमलेश शर्मा पत्नी अशोक शर्मा निवासी- शर्मा वाली गली सुभाषनगर मुरैना	सुरेश कुमार बाथम पुत्र हरप्रसाद बाथम	विक्रय पत्र, तहसीलदार का आदेश, पटवारी खसरा के आधार पर

अतः उपरोक्त भूमि/भवन पर नामांतरण किए जाने में किसी भी खास/परिवारीजन/आम व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के अंदर 30 दिवस इस कार्यालय में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा नामांतरण प्रकरण में कार्यवाही कर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। सूचित हों।

वास्ते सहायक आयुक्त
नगर पालिक निगम, मुरैना

हर विधानसभा क्षेत्र का पाँच वर्षीय विजन तैयार होगा

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने ली संभागीय बैठक

ग्वालियर। ग्वालियर संभाग के हर जिले के सुनियोजित विकास के लिए पाँच वर्षीय विजन तैयार होगा। साथ ही जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों का अलग-अलग पाँच वर्षीय विजन बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हर जिले में विकास कार्यों को पूरा करने के लिये रोड मैप (कार्ययोजना) तैयार करने के निर्देश दिए हैं। सांसदगण व विधायकगणों के सुझावों के आधार पर जिलेवार व विधानसभावार विकास की यह कार्ययोजना तैयार की जायेगी। इस सिलसिले में राज्य शासन के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं ग्वालियर संभाग के प्रभारी के सी गुप्ता ने बुधवार को ग्वालियर संभाग के सभी जिलों के विधायकगण, जिला कलेक्टर एवं विभिन्न विभागों के संभागीय अधिकारियों की बैठक ली।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में गत जनवरी माह में ग्वालियर में आयोजित हुई संभागीय बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा ध्यान में लाई गई समस्याओं, सुझावों एवं मांगों पर अब तक हुई कार्यवाही की समीक्षा भी जिलेवार व विधानसभा क्षेत्रवार इस बैठक में की गई। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने इस अवसर पर जानकारी दी कि जनप्रतिनिधियों द्वारा बताई गई समस्याओं के निराकरण और उनकी मांगों पर अमल करने के लिए राज्य, संभाग व जिला स्तर पर प्रभावी प्रयास किए गए हैं। जिसके परिणाम भी सामने आए हैं। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव गुप्ता ने सभी जिला कलेक्टर को निर्देश दिए कि सांसदगण व अपने-अपने जिले के विधायकगणों से सुझाव लेकर एक हफ्ते के भीतर जिलेवार व विधानसभा क्षेत्रवार पाँच वर्षीय विकास विजन तैयार करें। उन्होंने कहा कि पाँच वर्षीय विजन में पहले दो साल के भीतर और उसके अगले तीन साल में कौन-कौन से कार्य कराए जाने हैं, उनका स्पष्ट उल्लेख करें। उन्होंने जिलेवार व विधानसभा क्षेत्रवार पिछली बैठक में जनप्रतिनिधियों से मिले सुझावों पर हुए अमल और उनके द्वारा बताई गई शिकायतों के निराकरण की समीक्षा की। सभी जिला कलेक्टर ने पॉवर प्वॉइंट प्रजेण्टेशन के जरिए निराकरण का ब्यौरा प्रस्तुत किया। निराकरण पर संबंधित विधायकगणों ने भी अपनी राय रखी और सुझाव भी दिए। बैठक में जानकारी दी गई कि गत जनवरी माह में जनप्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में संभाग के सभी जिलों से संबंधित कुल मिलाकर 170 समस्यायें, सुझाव व मांगें प्राप्त हुई थीं। इनमें से 77 का निराकरण किया जा चुका है एवं 81 निराकरण के अंतिम चरण में है। विधायकगणों द्वारा खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्र में नल-जल योजनाओं के निर्माण की वजह से गाँवों के भीतर की सड़कें खराब होने की ओर ध्यान आकर्षित किए जाने पर अतिरिक्त मुख्य सचिव केसी गुप्ता ने संभाग के सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए कि क्षतिग्रस्त सड़कों को युद्ध स्तर पर ठीक कराएँ। साथ ही नल-जल योजनाओं का काम गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए। अतिरिक्त मुख्य सचिव गुप्ता ने बैठक में जोर देकर कहा कि संभाग के सभी जिलों में पत्थर व रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन व भण्डारण को सख्ती से रोकें। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक इस कार्य को गंभीरता से लें और अवैध उत्खनन करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने अवैध उत्खनन को रोकने के लिये की जा रही कार्रवाई की मॉनीटरिंग के लिये संभाग स्तर से एक टीम गठित करने के निर्देश भी दिए। श्री गुप्ता ने सभी जिला कलेक्टर से हर माह की गई बड़ी कार्रवाईयों की रिपोर्ट देने को कहा है। संभाग के सभी जिलों में निर्धारित अवधि व शेड्यूल के अनुसार बिजली की निर्बाध आपूर्ति रखने पर भी अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री गुप्ता ने विशेष बल दिया। उन्होंने विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य अभियंता को निर्देश दिए कि विधायकगणों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा ध्यान में लाई गई विद्युत संबंधी समस्याओं का निराकरण गंभीरता से और तेजी के साथ करें। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने किसानों को दी गई विद्युत मोटर का पॉवर विधिक प्रक्रिया का पालन करने के बाद ही बढ़ाएँ, जिससे किसान संतुष्ट रहें और अधिक बिजली बिल आने की शिकायत न रहे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव केसी गुप्ता ने ग्वालियर जिले के भितरवार विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वन भूमि पर काबिज अनुसूचित जनजाति के पट्टेधारियों को बेदखल करने संबंधी शिकायत के निराकरण के लिए संबंधित ग्राम पंचायतों में शिविर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा इन शिविरों में राजस्व व वन विभाग के अधिकारी मौजूद रहकर समस्या का समाधान कराएँ। सहकारी बैंकों के गबन व किसानों के नाम से निकाले गए ऋण संबंधी शिकायतों का निराकरण करने और दोषियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करने के निर्देश भी उन्होंने सभी जिला कलेक्टर को दिए। बैठक में विधायकगण मोहन सिंह राठौर, डॉ. सतीश सिकरवार, सुरेश राजे, साहब सिंह गुर्जर, जगन्नाथ सिंह रघुवंशी, देवेन्द्र कुमार जैन, महेन्द्र सिंह यादव, फूल सिंह बरैया, रमेशप्रसाद खटीक, कैलाश कुशवाह, बृजेन्द्र सिंह यादव, प्रदीप अग्रवाल, राजेन्द्र भारती, प्रभारी संभाग आयुक्त एवं कलेक्टर ग्वालियर श्रीमती रुचिका चौहान, पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर अरविंद सक्सेना, पुलिस उप महानिरीक्षक चंबल कुमार सौरभ मौजूद थे।

बाइक चोर पकड़ा, दो घटनाओं का खुलासा

ग्वालियर। चोरी की बाइक से चोरी करने आए एक चोर को मुरार थाना पुलिस ने अल्पना टॉकीज के पास से दबोचा है। पकड़े गए चोर से पुलिस ने चोरी की एक बाइक बरामद की है। पूछताछ में चोर ने एक अन्य घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस अफसरों का मानना है कि पकड़े गए चोर से पूछताछ के बाद कुछ अन्य चोरी की घटनाओं का खुलासा हो सकता है।

मुरार थाना प्रभारी मदन मोहन मालवीय ने बताया कि बाइक चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए एक टीम बनाई है। यह टीम उन स्थानों पर नजर रखती है, जिन स्थानों को वाहन चोरों ने सॉफ्ट टारगेट बनाया हुआ है। बीते रोज पुलिस टीम जब अल्पना टॉकीज के पास पहुंची तो एक युवक बाइक से आया और अपनी बाइक खड़ी कर एक अन्य बाइक पर जाकर बैठ गया। उसकी हरकत संदिग्ध दिखाई दी तो पुलिस ने उसे टोका तो वह बाइक छोड़कर भागने लगा। जिसका पुलिस ने पीछा किया और कुछ दूरी पर ही उसे दबोच लिया। पुलिस की पूछताछ में उसने अपना नाम किशोरी माहौर पुत्र मोहर सिंह माहौर गोदह जिला भिण्ड बताया।

दिशा की बैठक अब 10 जुलाई को होगी

ग्वालियर। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक अब 10 जुलाई को आयोजित होगी। इस दिन यह बैठक सांसद भारत सिंह कुशवाह की अध्यक्षता में प्रातः 10 बजे से कलेक्ट्रेट के सभागार में रखी गई है। पूर्व में बैठक के लिये 28 जून की तिथि निर्धारित थी, जिसे अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है। बैठक में अमृत योजना, जल जीवन मिशन, रेलवे स्टेशन का उन्नयन कार्य, वेस्टर्न बाईपास, यमुना एक्सप्रेस-वे को जोड़ते हुए ग्वालियर एक्सप्रेस-वे हाईवे निर्माण, एलीवेटेड रोड़, लोक निर्माण विभाग एवं सड़क विकास निगम के प्रगतिरत कार्य, चंबल नदी पेयजल प्रोजेक्ट एवं रायपुर, वीरपुर व हनुमान बाँध को भरने के लिये निर्माणाधीन फीडिंग कैनाल की समीक्षा होगी। साथ ही प्रधानमंत्री सड़क योजना, जिला खनिज मद के कार्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन एवं प्रस्तावित वृक्षारोपण कार्ययोजना सहित अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की समीक्षा होगी।

महापौर ने किया सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन

ग्वालियर। महापौर डॉक्टर शोभा सतीश सिंह सिकरवार ने बुधवार को वार्ड क्रमांक 14 स्थित सेवा नगर क्षेत्र की विभिन्न गलियों में 23.85 लाख की लागत से सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया।

कार्यक्रम में महापौर डॉक्टर श्रीमती सिकरवार ने कहा कि क्षेत्र में सीसी रोड का निर्माण होने से विभिन्न गलियों के नागरिकों को बहुत सुविधा होगी और जलभराव की स्थिति भी नहीं बनेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद एवं मेयर इन काउंसिल के सदस्य विनोद यादव माटू, वरिष्ठ नेता सुनील शर्मा, शील खत्री, मुनेंद्र सिंह, सुरेश प्रजापति, अमन संखवार, राकेश कुशवाहा, डॉक्टर भूपेंद्र मथुरिया, डॉक्टर बहादुर शाक्य, बलराम एवं क्षेत्राधिकारी अभय प्रताप सिंह तोमर सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय महिलाएं एवं नागरिकगण उपस्थित रहे।

एमआईसी विद्युत प्रभारी ने ली बैठक, स्ट्रीट लाइट की समस्या का निराकरण करने के दिए निर्देश

ग्वालियर । मेयर इन कार्उंसिल में विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग के प्रभारी सदस्य विनोद माठू यादव ने बुधवार को नगर निगम के विद्युत विभाग की बैठक ली तथा शहर में सुचारू स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में प्रभारी सदस्ययादव ने शहर में स्ट्रीट लाइटों को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था देख रही एचपीएल कंपनी की टीम के सदस्य प्रतिदिन क्षेत्र में पार्षदों से सम्पर्क करें तथा पार्षदगणों द्वारा एवं अन्य माध्यमों से मिली शिकायतों का समयसीमा में निराकरण करायें एवं उनके साथ पूर्व की तरह वार्ड में निगम से भी कर्मचारी रहे। जिससे विद्युत संबंधित समस्या का निराकरण सुगमता से हो सके। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में रात में तो लाइट बंद रहती है और कई क्षेत्रों में दिनभर लाइट जलती है, तो संबंधित एजेंसी के कर्मचारी लगातार निरीक्षण करें और विद्युत संबंधी समस्याओं का निराकरण करें। बैठक में उपनेता सत्ता पक्षयोगेन्द्र मंगल यादव, एमआईसी सदस्य शकील मंसूरी, पार्षद अंकित कटठल, प्रमोद खरे, मनोज राजपूत, श्रीमती अनीता रामू धाकड, अधीक्षण यंत्री विद्युत कीर्तिवर्धन मिश्रा, नोडल अधिकारी विद्युत रामबाबू दिनकर, स्मार्ट सिटी से सुबोध खरे उपस्थित रहे।

डस्टबिन न रखने एवं गंदगी फैलाने वालों से वसूला जुर्माना

ग्वालियर। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के तहत आदतन कचरा फैलाने व डस्टबिन का उपयोगन करने वालों के खिलाफ नगर निगम ने अभियान चलाकर जुर्माना वसूल किया है। बुधवार को वार्ड 38 गिरवाई रोड डस्टबिन ना होने एवं गंदगी करने पर वाइन शॉप विनोद शिवहरे पर 500 रूपये, गिरवाई स्थित लक्ष्मण कुशवाहा स्नैक सेंटर पर 250 रूपये, गोपाल शिवहरे स्नैक सेंटर पर 250 रूपये, विनोद बाथम स्नैक सेंटर पर 250 रूपये, सागर किराना सेंटर पर 250 रूपये सहित कुल 1500 रूपये का जुर्माना वसूला गया। कार्यवाही के दौरान दक्षिण विधानसभा फ्लाइंग स्क्वाड प्रभारी धर्मेंद्र धीरज धौलपुरिया, जेडएचओ महेश पथरोल, डब्ल्यूएचओ अनिल जादौन, राजकमल चौहान, प्रदीप राज चौहान, मोनू वाल्मीकि आदि उपस्थित रहे।

बिना अनुमति विज्ञापन करने पर 5 लाख से ज्यादा का जुर्माना वसूला

ग्वालियर। सिटी सेंटर क्षेत्र में लुई फिलिप्स शोरूम द्वारा बिना अनुमति के विज्ञापन किया जा रहा था। इसका पता चलने पर नगर निगम की विज्ञापन शाखा ने शोरूम से 5 लाख 40 हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया है। नोडल अधिकारी विज्ञापन शाखा सतेन्द्र भदौरिया ने बताया कि सिटी सेंटर में बिना अनुमति के लुई फिलिप्स शोरूम द्वारा अवैध रूप से विज्ञापन किया जा रहा था। जिस पर नगर निगम के विज्ञापन शाखा द्वारा 5 लाख 40 हजार रुपये का जुर्माना अधिरोपित कर वसूला गया।

आईटीएम की बस में डंपर ने मारी टक्कर

ग्वालियर। खड़ी बस में एक डंपर चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। घटना झांसी रोड थाना क्षेत्र के आईटीएम कॉलेज के सामने बुधवार की सुबह दस बजे की है। गनीमत यह है कि जिस समय हादसा हुआ बस में कोई सवारी नहीं थी। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है।

जनकारी के मुताबिक बुधवार की सुबह आईटीएम कॉलेज की बस छात्र-छात्राओं को लेकर कॉलेज पहुंची और सड़क किनारे खड़ी हो गई। इसी बीच तेज रफ्तार से आ रहे डंपर चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए खड़ी बस में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बस सामने लगे बिजली के खंबे से टकरा गई। हादसे का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी चालक अपना वाहन छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने आरोपी वाहन को जब्त कर मामला दर्ज कर लिया है।

आवास में व्यवसाय करने वाले सभी व्यवसायियों की होगी फायर ऑडिट

ग्वालियर। अपर आयुक्त मुनीश सिंह सिकरवार ने आवास में व्यवसाय करने वाले सभी व्यवसायियों के लिये एक आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया गया है कि नगर निगम क्षेत्रांतर्गत समस्त व्यवसाई, भण्डार, दुकानें आदि का व्यवसाय जिनके द्वारा व्यवसाय एवं आवास एक ही भवन में संचालित है। ऐसे समस्त व्यवसायियों को फायर ऑडिट कराना आवश्यक है। फायर आडिट होने से आगजनी की घटनाओं पर काफी हद तक लगाम लग सकेगी।

भगवान को वही व्यक्ति समझ सकता है जो अपना समर्पण पूरी तरह उनके प्रति कर दे: डॉ. जगन्नाथ दीक्षित ठाकुरजी महाराज

गुप्ता वैंकट हॉल में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का षष्टम दिवस

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। माधौपुरा की पुलिया के पास स्थित गुप्ता वैंकट हॉल में इन दिनों श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। यहां पर कथा का वाचन डॉ. जगन्नाथ दीक्षित ठाकुरजी महाराज कर रहे हैं। कथा की परीक्षत श्रीमती सूरज देवी- रामजीलाल सविता हैं। आयोजक परिवार के सत्यप्रकाश सविता ईओडब्ल्यू म.प्र.पु. ने सभी भक्तों से कथा श्रवण कर धर्मलाभ लेने की अपील की है। आज कथा के दौरान डीआईजी हरी सिंह यादव, जिला उपभोक्ता न्यायालय के न्यायिक सदस्य राकेश शिवहरे ने उपस्थित रहकर महाराजश्री का आशीर्वाद गृहण किया।

कथा के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों को संबोधित करते हुए महाराजश्री ने कहा कि भगवान कृष्ण ने गोपियों के साथ अनेक तरह की लीलायें कीं। प्रत्येक गोपी को यह भान होता था कि भगवान श्रीकृष्ण उसी के साथ हैं, लेकिन यह भगवान की लीला थी कि भगवान सभी गोपियों के साथ होते थे। महाराजश्री ने कहा कि अक्रूरजी कंस के कहने पर भगवान श्रीकृष्ण व बलदाऊ को लेने के लिए जाते हैं। जब अक्रूरजी दोनों भाईयों को लेकर मथुरा आने लगते हैं तो ग्वालवाले तथा गोपियां उन्हें आने नहीं देते। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण सभी से वायदा करते हैं कि वे अतिशीघ्र आप लोगों के मध्य लौट कर आयेंगे। हालांकि भगवान का यह वायदा पूरा नहीं हुआ। भगवान फिर कभी ब्रज लौटकर नहीं आये। एक अन्य प्रसंग में महाराजश्री ने उद्धव व गोपी प्रसंग की कथा सुनाते हुए कहा कि उद्धव जी को अपने ज्ञान पर बहुत अभिमान था। तब भगवान उनके अभिमान को दूर करने के लिए उन्हें गोपियों के पास भेजते हैं। उद्धव जी गोपियों के पास आकर उनसे ज्ञान की बात करने लगते हैं, लेकिन गोपियां तो भगवान के प्रेम में डूबी हुईं थीं, लिहाजा वे उद्धव जी से कहती हैं कि हे उद्धव! मन न भये दस-बीस... हमारे पास जो एक मन था वह कृष्ण अपने साथ ले गए हैं। अब हमें ज्ञान की कोई भी बात अच्छी नहीं लगती। हमारा खाना-पीना, उठना-बैठना सब बेकार हो चुका है। हालत यह हो जाती है कि उद्धव जी जब लौटकर आते हैं तो उनके ज्ञान का घमण्ड चूर-चूर हो चुका होता है और वे भगवान के रंग में रंगकर लौट आते हैं। एक अन्य प्रसंग में महाराजश्री ने कहा कि भगवान को वही व्यक्ति समझ सकता है जो अपना समर्पण पूरी तरह उनके प्रति कर दे। भगवान और भक्त के मध्य किसी भी तरह की कोई दीवार नहीं होनी चाहिए। कथावाचक श्री जगन्नाथ दीक्षित ठाकुरजी महाराज ने कथा के दौरान रुकमणि विवाह सहित अन्य प्रसंगों की कथा सुनाई।

आज गुरूवार को कथा का समापन है। इस दिन सुदामा प्रसंग की कथा महाराजश्री के श्रीमुख से सुनाई जाएगी। आयोजकों ने सभी भक्तों से आग्रह किया है कि वे कथा श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त करें।

डीएलसीसी की बैठक आज

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक 27 जून को सायं 04 बजे नवीन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मुरैना में आयोजित की गई है। बैठक में समस्त बैंको के जिला समन्वयक, शासकीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

बैठक आज

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुख्यमंत्री की विगत 01 फरवरी 2024 बैठक के पालन प्रतिवेदन के संबंध में बैठक 27 जून को अपरान्ह 2 बजे कलेक्ट्रेट सभागार मुरैना में आयोजित की गई है। बैठक में समस्त जिला अधिकारी जानकारी सहित उपस्थित होना सुनिश्चित करें। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव द्वारा 29 जून को बैठक आयोजित की जायेगी।

विद्युत समस्या को लेकर केन्द्रीय मंत्री सिंधिया से मिले कैलाश मित्तल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। जौरा, कैलारस एवं सबलगढ़ जिला मुरैना में लगभग डेढ़-दो माह से विद्युत विभाग द्वारा मनमर्जी से लगातार अनियमित एवं मेंटिनेंस के नाम पर आये दिन रात-दिन आठ-आठ, दस-दस घंटे की विद्युत कटौती की जा रही है, जिसके कारण इस भीषण गर्मी एवं उमस में बिना बिजली के आमजन जीवन को भारी संकट का सामना करना पड़ रहा है। लोग रात में बिना लाइट के घर के दरवाजे खोलकर चबूतरों पर बाहर बैठकर बेचैनी में अपना जीवन यापन कर रहे हैं। इस गंभीर समस्या को लेकर प्रमुख समाजसेवी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश मित्तल केंद्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया से मिले तथा उन्होंने जौरा, कैलारस एवं सबलगढ़ की गंभीर विद्युत समस्या से उन्हें अवगत कराया। श्रीमंत सिंधिया ने समस्या को गंभीरता से लेते हुये समस्या से छुटकारा दिलाने के लिये तुरन्त ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर से बात की। मंत्री जी ने तुरंत आवश्यक कदम उठाते हुये एक सप्ताह के अंदर जौरा, कैलारस एवं सबलगढ़ क्षेत्र की इस गंभीर विद्युत समस्या से निजात दिलाने का भरोसा दिया।

कोतवाली पुलिस ने पकड़ी 24 पेटी अवैध शराब, आरोपी हिरासत में

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान द्वारा जिले में अवैध शराब / मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों, विक्रय करने वालों एवं अवैध शराब का भण्डारण करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु संपूर्ण मुरैना जिले में विशेष अभियान संचालित कराया जाकर जिले के समस्त थाना प्रभारियों को अवैध शराब के कारोबार में लिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त अभियान के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अरविन्द सिंह ठाकुर के निर्देशन एवं एवं नगर पुलिस अधीक्षक जिला मुरैना राकेश गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में निरीक्षक आलोक सिंह परिहार थाना प्रभारी कोतवाली को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि एक हरे रंग का सीएनजी आटो क्रमांक एमपी07 जेडपी 0701 ए.बी. रोड से आमपुरा की तरफ अवैध शराब लेकर जा रहा है। मुखबिर की सूचना की तस्दीक हेतु थाना प्रभारी कोतवाली मय हमराह फोर्स के रवाना होकर मुखबिर द्वारा बताये स्थान अभिनन्दन वाटिका के सामने पहुंचे, तभी सामने से एक आटो आता दिखा जिसे रोकने का प्रयास किया तो एक व्यक्ति अंधेरे का लाभ उठाकर चलते ऑटो कूदकर भाग गया तथा एक व्यक्ति व ऑटो को हमराही फोर्स की मदद से घेरकर पकड़ा गया। जिसके बाद ऑटो की तलाशी ली गयी तो ऑटो में 24 पेटी देशी प्लेन शराब की रखी मिली प्रत्येक पेटी में 50-50 क्वाटर प्रत्येक क्वाटर 180 एमएल शराब भरी हुई कुल शराब 216 बल्क लीटर कीमती करीबन 72,000/- रूपयें रखी मिली। मौके पर शराब रखने व ले जाने के सम्बन्ध मे आरोपी से बैध लायसेंस चाहा तो अपने पास न होना बताया जिस पर से उक्त शराब 216 बल्क लीटर कीमती 72,000/- एवं सीएनजी आटो कीमती करीबन 3,00,000/- रूपये कुल मशरूका कीमती करीबन 3,72,000/- रूपये का पंचानो के समक्ष विधिवत जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर बाद थाना वापसी पर आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. अंजली पब्लिकेशन एबी रोड़ मथुरा से मुद्रित, एवं ए-44-फस्ट फ्लोर, अशोका इन्क्लेव, पार्ट-2 सेक्टर- 37 फरीदाबाद हरियाणा (NCR) से प्रकाशित,
आरएनआई नं. एचएआरएचआईएन /2009/ 28496 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे। मो. 9958434103 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।